R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 07
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 15 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 दहेज उत्पीड़न के मामले में नंद और नंदोई के ...
5 गुम हुए व्यक्ति को पुलिस के प्रयास से 4 घंटे में ...
7 पवन सिंह विवाद के बाद एक्ट्रेस अंजलि राघव ने ...

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप, उत्तर बंगाल और भूटान में भी झटके किए गए महसूस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। असम के गुवाहाटी और आसपास के इलाकों में शनिवार शाम 4:41 बजे तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.8 मापी गई। झटके उत्तर बंगाल और पड़ोसी देश भूटान तक महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप का केंद्र असम के उदलगुरी ज़िले में था और इसकी गहराई करीब 5 किलोमीटर थी।

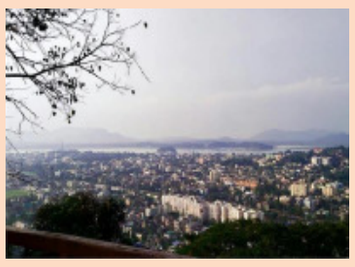

फिलहाल किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि असम भूकंप के लिहाज से एक संवेदनशील क्षेत्र है, क्योंकि यह पूर्वी हिमालयी सिंटैक्सिस में यूरेशियन और सुंडा प्लेटों के संगम पर स्थित है। यह भूकंप 2 सितंबर को सोनितपुर जिले में आए 3.5 तीव्रता के झटकों के कुछ ही दिन बाद आया है। प्रशासन सतर्क है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली को विकास परियोजनाओं का उपहार मिलेगाः मुख्यमंत्री गुप्ता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर सेवा पखवाड़ा के तहत कई परियोजनाएं शुरू करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह 17 सितंबर को त्यागराज स्टेडियम में दिल्ली सरकार के एक कार्यक्रम के दौरान 15 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जिनमें नए अस्पताल ब्लॉक, 101 आरोग्य मंदिर और 150 डायलिसिस केंद्र शामिल हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने मंत्रियों, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा सांसदों और विधायकों के साथ सेवा पखवाड़ा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से शुरू हो रहे 15 दिवसीय उत्सव के दौरान निवासियों को हर दिन एक नया उपहार मिलेगा। उन्होंने कहा, ये परियोजनाएं और कार्यक्रम दिल्ली के विकास को नयी गति और नयी ऊंचाइयां प्रदान करेंगे तथा शहर को विकसित दिल्ली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बिहार के भोजपुर में एके-47 समेत अन्य हथियार बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

पटना **(एजेंसी)**। बिहार पुलिस ने शनिवार को भोजपुर जिले के शाहपुर इलाके से दो लोगों को गिरफ्तार करउनके पास से एके-47 राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के जवानों ने तलाशी अभियान के दौरान पिस्तौल, रिवॉल्वर और 76 कारतूस भी जब्त किए। पुलिस की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर की गयी छापेमारी में दोनों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी क्षेत्र के लोगों से जबरन वसूली कर रहे थे।

कोर्ट के बाहर पत्नी का जबरदस्त बदला पति-ससुर को चप्पलों से पीटा; तीन तलाक और मारपीट का दर्द सोशल मीडिया पर वायरल!

रामपुर **(एजेंसी)**। तारीख लेकर अदालत के बाहर निकली बीवी को शौहर ने तीन तलाक दे दिया। विरोध करने पर गाली-गलौज की। इससे भड़की बीवी ने चप्पल निकालकर शौहर की दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई की। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने किसी तरह दोनों में बीचबराव कराया। इस दौरान लोगों ने मारपीट का वीडियो बनाकर उसे इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

बमनपुर खजुरिया क्षेत्र की रहने वाली महिला का निकाह खजुरिया थानाक्षेत्र के ही एक गांव में हुआ है। दोनों के बीच अनबन के बाद अलगाव की स्थिति आ गई है। महिला ने खर्चा वहन करने के लिए शौहर के खिलाफ पारिवारिक न्यायालय में वाद दायर किया है।

शुक्रवार को इसी प्रकरण में तारीख पर महिला अपनी मौसी के साथ अदालत आई थी। वहीं उसका शौहर अपने पिता के साथ न्यायालय पहुंचा था। तारीख होने के बाद दोनों पक्ष अदालत के बाहर आ गए। महिला का आरोप है कि उसके पति व ससुर ने उसे गालीगलौज करते हुए तीन तलाक दे दिया।

इसका विरोध करने पर पति व ससुर ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद गुस्साई बीवी ने चप्पल निकाल ली। पति का कुर्ता पकड़कर चप्पलों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया। इसमें पति का कुर्ता भी फट गया। मारपीट होते देख लोगों की भीड़ जुट गई।

कई लोगों ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इस दौरान लोगों ने दोनों पक्षों को अलग कराया। महिला की ओर से पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए एसपी को शिकायतीपत्र भी भेजा गया है। वहीं कुछ लोगों ने मारपीट का वीडियो इंटनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। जिसको लेकर लोग तरह-तरह के कमेंट करते रहे।

असम में पीएम मोदी ने किया विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

ऑपरेशन सिंदूर को बताया मां कामाख्या का आशीर्वाद

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के दरांग में करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया और एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान, उन्होंने हाल ही में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र किया और इसे मां कामाख्या के आशीर्वाद का फल बताया।

पीएम मोदी ने भूपेन हजारिका को 'भारत रत्न' दिए जाने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष के एक कथित बयान पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिस दिन भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया गया, उसी दिन कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी 'नाचने-गाने वालों को' भारत रत्न दे रहे हैं।

मोदी ने 1962 के युद्ध के बाद पंडित नेहरू के 'नॉर्थ-ईस्ट को छोड़ देने' वाले बयान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस घाव पर कांग्रेस की वर्तमान पीढ़ी भी नमक छिड़कने का काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर देशविरोधी और घुसपैठियों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब वह घुसपैठ को बढ़ावा देती थी और आज कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बस जाएं।' उन्होंने यह भी कहा कि जब पूरा देश आतंकवाद से जूझ रहा था, तब कांग्रेस चुप थी, जबकि आज हमारी सेना 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर आतंकवाद को खत्म कर रही है, लेकिन कांग्रेस पाकिस्तान के साथ खड़ी हो जाती है।

पीएम मोदी ने इस दौरान कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें 570 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और जीएनएम स्कूल शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने 1, 200 करोड़ रुपये की लागत वाले 2.9 किलोमीटर लंबे नारेंगी-कुरुवा पुल और 4, 530 करोड़ रुपये की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना का भी शिलान्यास किया। यह रिंग रोड असम के कामरूप और दरांग जिलों को मेघालय के री भोई से जोड़ेगी।

हाइड्रोजन बम बनाम पटाखा

राहुल के वार पर केशव मौर्य का कटाक्ष बोले- 'कांग्रेस ने गलत हथियार थमा दिया!'

लखनऊ **(एजेंसी)**। राहुल गांधी के रायबरेली दौरे को लेकर उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखा व्यंग करते हुए कहा कि शुरुआत में राहुल गांधी को हाइड्रोजन बम के स्थान पर छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था। राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान दिए गए बयान को लेकर रविवार को कटाक्ष करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स लिखा कि कांग्रेस को अपने मनमौजी नेता राहुल गांधी के हाथों में सीधे एटम बम या हाइड्रोजन बम नहीं थमाना चाहिए था। शुरुआत में उन्हें कोई छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था।

गौरतलब है कि बीते गुरुवार को अपने रायबरेली दौरे के दौरान राहुल गांधी ने मीडिया को बयान दिया था कि भाजपा के लोग बहुत आंदोलित हो रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। इंतजार कीजिए बहुत जल्द वोट चोरी के और खुलासे आने वाले हैं। भाजपा वाले परेशान ना हों, वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है। सारा सब कुछ साफ हो जाएगा। वोट चोरी का आरोप लगाने के बाद से ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इसको लेकर लगातार भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साध रहे हैं। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान भी उन्होंने 'वोट चोर-गद्दी छोड़' के नारे लगवाए।

शुभम द्विवेदी के परिवार का दर्द

भारत-पाक मैच शहीदों का अपमान बीसीसीआई पर उठाए सवाल

लखनऊ **(एजेंसी)**। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप मैच को लेकर देश में एक बार फिर बहस छिड़ गई है। इस हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिवार ने इस मैच की कड़ी निंदा की है और लोगों से इसे न देखने की अपील की है। उनके परिवार का मानना है कि ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ खेलना शहीदों का अपमान है।

शुभम के पिता, संजय द्विवेदी, ने इस मैच के आयोजन के लिए बीसीसीआई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बीसीसीआई 22 अप्रैल के नरसंहार को भूल गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब आतंकवाद के कारण पाकिस्तान से सभी तरह के रिश्ते खत्म हो चुके हैं, तो क्रिकेट क्यों खेला जा रहा है?'

संजय द्विवेदी ने कहा कि जो लोग अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना अनिवार्य बताते हैं, उन्हें 1980 और 1984 के ओलंपिक बहिष्कार को याद करना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या हमारा देश एक छोटे से टूर्नामेंट का बहिष्कार नहीं कर सकता? उनके अनुसार, यह मैच केवल पैसे के लिए आयोजित किया जा रहा है।

शुभम द्विवेदी की पत्नी, ऐशान्या द्विवेदी, ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस मैच से मिलने वाले पैसों से पाकिस्तान को फिर से मजबूत होने का मौका मिलेगा और वह 'ऑपरेशन सिंदूर' में तबाह हुए अपने ठिकानों का पुनर्निर्माण कर लेगा। उन्होंने इसे 26 परिवारों पर पाकिस्तान का सबसे बड़ा तमाचा बताया।

ऐशान्या ने कहा कि यह हमारे लोगों के बस में नहीं है कि वे पाकिस्तान का बहिष्कार करें, क्योंकि अगर ऐसा होता तो बीसीसीआई मैच के लिए राजी नहीं होता। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेटर इस समय देश के बारे में नहीं सोच पा रहे हैं। उन्होंने यह कहते हुए निराशा व्यक्त की कि उन्हें अब इन लोगों से शहीदों को श्रद्धांजलि देने की भी उम्मीद नहीं है।

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' को लोकप्रिय बनाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूलेंसर्स का उपयोग किया जाएगा

धार **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर मध्यप्रदेश के धार में शुरू किए जाने वाले स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 'सोशल मीडिया इन्फ्लूलेंसर्स' को शामिल किया जाएगा।

पोडकास्टर निधि कौशिक, आरजे अनादि तिवारी, पॉडकास्टर नयन राय, आरजे पारुल, निधि रावतिया, सिद्धार्थ जैन, यूथ फार चिल्ड्रन के स्वयंसेवक, आकाशवाणी के एंकर, रेडियो लेकसिटीवॉइस के आरजे और दूरदर्शन के पेशेवर उन प्रभावशाली लोगों में शामिल हैं जिन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और यूनीसेफ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. सलोनी सिदाना ने कहा कि यह अभियान 17 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों) में चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा, "इसमें महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाएगी, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, किशोर एनीमिया प्रबंधन और सक्रिय जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। महिलाएं अक्सर दूसरों की देखभाल करते हुए अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं। पुरुषों को सहयोग देना चाहिए और महिलाओं को बिना किसी अपराधबोध के प्रतिदिन कम से कम एक घंटा आत्म-देखभाल के लिए समर्पित करना चाहिए।

एनएचएम के सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) ब्यूरो की निदेशक डॉ. रचना दुबे ने कहा कि कई किशोरियां अनजाने में 'पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस)' से पीड़ित होती हैं और उन्होंने अभियान के दौरान उनसे जांच कराने का आग्रह किया। उन्होंने प्रभावशाली लोगों से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार 'हैशटैग' का उपयोग करके अभियान का प्रचार करने का अनुरोध करते हुए कहा, "हम जांच और उपचार सेवाएं प्रदान करने के लिए केंद्र विकसित कर रहे हैं।"

यूनीसेफ मध्यप्रदेश के अंतरिम प्रमुख (एआई) अनिल गुलाटी ने महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर जागरूकता बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस बैठक में डॉ. प्रभाकर तिवारी, डॉ. अर्चना पुंढीर, डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. अमित डोगरा और डॉ. सुरेश परमार सहित वरिष्ठ एनएचएम और यूनीसेफ अधिकारी भी शामिल हुए।

मोहन भागवत का दुनिया को संदेश

टकराव की जड़ श्रेष्ठता का भाव हम सब एक हैं का मंत्र जरूरी

इंदौर **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की पुस्तक 'परिक्रमा कृपासार' के विमोचन समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की आस्था को 'प्रत्यक्ष अनुभूति' पर आधारित बताया और कहा कि यह कोई काल्पनिक आस्था नहीं, बल्कि ऐसी आस्था है जिसे कोई भी व्यक्ति अपने प्रयासों से अनुभव कर सकता है।

भागवत ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रत्यक्ष प्रमाण की आवश्यकता होती है, लेकिन आज के समय में खुद को वैज्ञानिक कहने वाले लोगों के पास भी प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं। इसके विपरीत, भारत की आस्था के लिए प्रत्यक्ष प्रमाण मौजूद हैं, जिन्हें प्रयास और प्रयोगों से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने भारत के गौरवशाली अतीत का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा दी गई 'पवित्रता की चेतना और भावना' के कारण, भारत 3000 वर्षों तक दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश था।

उन्होंने आगे कहा कि उस दौरान तकनीकी प्रगति बहुत अधिक थी, लेकिन पर्यावरण का कोई क्षरण नहीं हुआ। मानव जीवन सुखी और सुसंस्कृत था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने दुनिया का नेतृत्व किया, लेकिन कभी किसी देश पर विजय नहीं पाई, न ही किसी के व्यापार को दबाया या किसी का धर्मांतरण किया। उन्होंने कहा, 'हम जहां भी गए, हमने सभ्यता और ज्ञान दिया, हमने शास्त्रों की शिक्षा दी और जीवन को बेहतर बनाया।'

मोहन भागवत ने विश्व में होने वाले टकरावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में संघर्ष इसलिए होते हैं क्योंकि लोग 'भगवान' के एक होने या अनेक होने पर बहस करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे दार्शनिकों ने हमें इस तरह के टकराव में पड़ने से रोका है और यह सिखाया है कि 'सिर्फ 'भगवान' हैं। और कोई नहीं।'

उन्होंने एकता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि दुनिया में टकराव इसलिए होते हैं क्योंकि एक व्यक्ति खुद को दूसरे से श्रेष्ठ समझता है। उन्होंने कहा, 'हम मानते हैं कि हम सब एक हैं, लेकिन क्या हम सबके साथ एकता का व्यवहार करते हैं? नहीं।' उन्होंने समाज में समानता और सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक ही परिवार के 7 लोगों की दर्दनाक मौत, हरिद्वार में अस्थियां विसर्जित, मची चीख-पुकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जयपुर के वाटिका रिंग रोड पर एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। कार सवार लोग हरिद्वार से अपने परिजनों की अस्थियां विसर्जित करके वापस लौट रहे थे।

हादसा अचानक हुआ और कार के पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस टीम और एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी मृतकों को महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित किया गया। मृतकों में तीन पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों के नाम रामराज वैष्णव, उनकी पत्नी मधु, बेटा रूद्र, रिश्तेदार कालूराम, उसकी पत्नी सीमा, बेटा रोहित और गजराज हैं। ये सभी फुलियावास केकड़ी और जयपुर के वाटिका इलाके के रहने वाले थे।

पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस दर्दनाक हादसे से परिवार और आसपास के लोग शोक में डूब गए हैं।

माफिया के नाम से लोगों को डराने का खेल जारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन दोनों का नाम आज भी लोगों का जीना हराम किए हुए है। इनके नाम से जुड़े गिरोह अब भी भोले-भाले लोगों को धमकाने और परेशान करने का काम कर रहे हैं। जो उनकी बात नहीं मानता, उसे डर दिखाया जाता है कि उसका नाम अतीक-अशरफ से जोड़ दिया जाएगा।

इसी तरह का एक मामला प्रयागराज के कसारी मसारी क्षेत्र से सामने आया है। यहां रहने वाले धुन्नू पाल पुत्र छेदीलाल ने शनिवार को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के नारद सभागार में प्रेस कांफ्रेंस कर गंभीर आरोप लगाए। धुन्नू पाल ने बताया कि न्यायालय के आदेश से उनके और उनके चार अन्य भाइयों की भूमि का बंटवारा पहले ही हो चुका है। इसके लिखित प्रमाण भी उनके पास मौजूद हैं। इसके बावजूद कुछ लोग उनकी जमीन को जबरन माफिया अशरफ से जोड़कर विवाद उत्पन्न कर रहे हैं।

धुन्नू पाल का आरोप है कि विरोधी पक्ष की मंशा उनकी भूमि को अतीक गिरोह के लोगों के हाथों में सौंपने की है। यदि वे विरोध करते हैं तो उन्हें अतीक का 'गुर्गा' बना देने की धमकी दी जाती है। धुन्नू पाल अपने दो अन्य भाइयों के साथ मीडिया के सामने पहुंचे और आरोप लगाया कि इसमें फर्जी खबर चलाकर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि उनकी बंटवारे की जमीन और इस गिरोह की जांच कराई जाए, और इस गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जांच होगी तो हकीकत सामने आ जाएगी, क्योंकि उनका और उनके परिवार का कभी भी अतीक-अशरफ परिवार से कोई संबंध नहीं रहा है। उन्होंने अपनी जमीन भी कभी किसी को नहीं बेची। उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार से न्याय दिलाने और माफिया के नाम पर चल रहे इस डराने-धमकाने के खेल को रोकने की अपील की।

सीएनएच ने भारत में अब तक की अपनी सबसे बड़ी एकल डिलीवरी पूरी की

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कृषि और निर्माण उपकरणों की वैश्विक अग्रणी कंपनी सीएनएच ने भारत में अब तक की अपनी सबसे बड़ी एकल डिलीवरी पूरी की है। कंपनी ने महाराष्ट्र के लातूर स्थित देशमुख (मंजरा) समूह को 117 केस आईएच गन्ना हार्वेस्टर और 234 न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर सौंपे। यह डिलीवरी हाल ही में भारत दौरे पर आए सीएनएच के सीईओ गेरिट मार्क्स की अगुवाई में हुई। भारत में गन्ना हार्वेस्टर लाने वाली पहली कंपनी के रूप में सीएनएच इस क्षेत्र में अग्रणी है। इसकी टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाली मशीनें श्रमिकों की कमी, परिचालन दक्षता और समय पर कटाई जैसी चुनौतियों से निपटने में मदद करती हैं, जो दीर्घकालिक कृषि की मजबूती के लिए बेहद अहम हैं।

सीएनएच इंडिया के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक, नरेंद्र मित्तल ने कहा, 'इस क्षेत्र में अग्रणी होने के नाते हमें देशमुख समूह के साथ साझेदारी कर भारत की मशीनीकरण यात्रा को तेज़ करने पर गर्व है। हमारे ग्राहकों का विश्वास इस बात का प्रमाण है कि सीएनएच उनकी ज़रूरतों के अनुसार भरोसेमंद और उच्च-प्रदर्शन समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध है। गन्ना महाराष्ट्र और पूरे भारत में लाखों ग्रामीण परिवारों का जीवन-आधार है। मशीनीकृत कटाई अपनाकर हम इस जीवनरेखा को बदल सकते हैं– उत्पादकता बढ़ाकर, समय पर कटाई सुनिश्चित कर और किसानों की आय में सुधार लाकर।'

इस अवसर पर मंजरा समूह के निदेशक, धीरज विलासराव देशमुख ने कहा, 'हम पिछले एक दशक से सीएनएच उपकरण का उपयोग कर रहे हैं और उनकी मशीनों की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता ने हमें हमेशा पूरा विश्वास दिलाया है। जब भी हम अपने बेड़े का विस्तार या उन्नयन करने की सोचते हैं, सीएनएच हमारी पहली पसंद रहती है। इस नई डिलीवरी से हमें अपने परिचालन को और मजबूत करने और किसानों व गन्ना क्षेत्र के लिए अधिक मूल्य सृजित करने का विश्वास है।'

देशमुख (मंजरा) समूह एक अग्रणी एग्रीबिज़नेस कंपनी है, जो प्रगतिशील गन्ना खेती के लिए जानी जाती है। सीएनएच का लंबे समय से ग्राहक यह समूह भारत में 10 शुगर मिलों का संचालन करता है और पहले से ही 45 से अधिक गन्ना हार्वेस्टर और 90 ट्रैक्टर का उपयोग करता है। इसी वजह से यह सीएनएच का भारत का सबसे बड़ा ग्राहक है।

महाराष्ट्र में इस उपलब्धि के बाद सीएनएच अब गन्ना मशीनीकरण का विस्तार अन्य प्रमुख राज्यों, खासकर उत्तर प्रदेश में करने की दिशा में बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश भारत के गन्ना उत्पादन का लगभग 47प्रतिशत हिस्सा देता है और देश का सबसे बड़ा गन्ना क्षेत्र है, जिससे लाखों किसान परिवार जुड़े हैं। सीएनएच राज्य में उन्नत हार्वेस्टर लाकर किसानों को उत्पादकता बढ़ाने, श्रमिक चुनौतियों से निपटने और समय पर कटाई सुनिश्चित करने में सहयोग करना चाहता है, जिससे भारत की चीनी उद्योग की रीढ़ और मजबूत हो।

ये आधुनिक हार्वेस्टर नवीनतम तकनीक के साथ मशीनीकरण को बढ़ावा देते हुए खेती की दक्षता और उत्पादकता बढ़ाते हैं। ये टिकाऊ समाधान हैं जो गन्ना उत्पादन और कटाई को बेहतर बनाते हैं, फसल नुकसान कम करते हैं और कार्य परिस्थितियों में सुधार लाते हैं। साथ ही, ये युवाओं के लिए कौशल विकास के ज़रिए रोज़गार के अवसर भी पैदा करते हैं। प्रशिक्षित ऑपरेटरों की कमी को दूर करने के लिए कंपनी शुगर मिलों के साथ साझेदारी में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती है, जो बोवाई से लेकर कटाई के बाद तक टिकाऊ गन्ना फसल चक्र को मज़बूत करते हैं।

पिछले 25 वर्षों से सीएनएच इंडिया 'मेड इन इंडिया' संचालन के ज़रिए विश्व-स्तरीय उत्पाद दे रहा है। कंपनी भारत में केस आईएच, न्यू हॉलैंड और केस कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ब्रांड्स के ज़रिए काम करती है, जिन्हें सीएनएच कैपिटल और उसके ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर का सहयोग प्राप्त है।

गंगा स्नान करते समय डूबा अधेड़

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र के महावीर घाट पर शनिवार को गंगा स्नान करते समय अधेड़ की डूबने से मौत हो गई। जल पुलिस ने गोताखोरों की मदद से देर शाम शव को बाहर निकला। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, शिवकुटी के कोयला गली निवासी 52 वर्षीय राधेश्याम उर्फ बल्लू यादव अविवाहित थे। वह शनिवार को महावीर घाट पर गंगा स्नान कर रहे थे। गहरे पानी में डूब गए। गोताखोरों की मदद से शव निकाला गया। घटना की जानकारी होते ही परिवार के सदस्य भी पहुंच गए। परिजनों ने रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव का दाह संस्कार कर दिया।

जिला कारागार में हिंदी दिवस पर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिला कारागार में हर वर्ष 14 सितंबर को पूरे देश में हिंदी दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह दिन हिंदी भाषा के महत्व को समझने, उसकी समृद्धि को बढ़ाने और देशवासियों को हिंदी के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। हिंदी भाषा भारतीय समाज की एकता की पहचान है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष में हिंदी दिवस पर विशेष पेंटिंग, आर्ट , निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक सचिन वर्मा जी ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने बंदियों से अपील की कि वे हिंदी भाषा को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उन्होंने समझाया कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और भारतीयता का प्रतीक भी है। हिंदी भाषा के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को समाज के सामने प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जेल जीवन कठिनाइयों से भरा है, लेकिन शिक्षा और कला के माध्यम से हम मानसिक रूप से मजबूत बन सकते हैं।

शिक्षक उत्सव तिवारी जी ने हिंदी भाषा की ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी भारत की राजभाषा है। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य ने भारतीय समाज को अनेक सामाजिक संदेश दिए हैं। इसके माध्यम से हम अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचा सकते हैं। शिक्षक तिवारी जी ने बंदियों को प्रेरित किया कि वे हिंदी को सीखें, पढ़ें और अपने जीवन में इसे अपनाएं, ताकि वे समाज में अपना सही स्थान बना सकें।

प्रभारी जेलर मुकेश प्रकाश जी ने पेंटिंग आर्ट के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व को उजागर किया। उन्होंने बताया कि पेंटिंग एक ऐसी कला है, जिससे व्यक्ति बिना शब्दों के भी अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकता है। पेंटिंग के रंग-बिरंगे चित्रों में हिंदी शब्दों का समावेश समाज में एक सकारात्मक संदेश फैलाने का कार्य करता है। उन्होंने बंदियों से आग्रह किया कि वे इस प्रतियोगिता में पूरी लगन और रचनात्मकता के साथ भाग लें। डिप्टी जेलर महेश सिंह, प्रभारी अभिषेक कुमार पाण्डेय, चीफ श्रीराम इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस आयोजन में कुल 50 बंदियों ने भाग लिया। प्रत्येक बंदी ने अपनी-अपनी पेंटिंग में हिंदी भाषा के प्रति अपने विचारों को व्यक्त किया। पेंटिंग्स में नो स्मोकिंग, भगत सिंह, कमल फूल, स्वामी विवेकानंद, भारतीय ध्वज, मोर,कार्टून, साड़ी का किनारा, सूर्योदय, प्रकृति के सुंदर दृश्य, और हिंदी भाषा के प्रमुख वाक्यांश सुंदर चित्रों के साथ प्रस्तुत किए गए। अन्य पेंटिंग्स में हिंदी भाषा की ऐतिहासिक यात्रा, उसकी साहित्यिक समृद्धि और समाज में इसके योगदान को रेखांकित किया गया। कुछ पेंटिंग्स में जेल जीवन के कठिनाइयों के बीच हिंदी भाषा के माध्यम से आशा और प्रेरणा का संदेश भी दिखाया गया। प्रतियोगिता के दौरान सभी बंदियों ने पूरी मेहनत और लगन से पेंटिंग बनाई। उनके चित्रों में स्पष्ट रूप से हिंदी भाषा के प्रति सम्मान झलक रहा था।

नवरात्रि एवं दशहरा को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु गोष्ठी आयोजित

कौशाम्बी। थाना मोहब्बतपुर पइंसा परिसर में क्षेत्राधिकारी मंझनपुर की द्वारा आगामी त्यौहार नवरात्रि एवं दशहरा को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु रविवार को गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मूर्ति स्थापना करने वाले आयोजक, ग्राम प्रधान एवं सम्भ्रांत नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सौहार्द एवं शांति बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने हेतु अपील की गई।

विदेश यात्रा के पश्चात परमार्थ निकेतन पधारे स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती

परम पूज्य गुरूदेव का सान्निध्य पाकर गद्गद हुये नन्हे - नन्हे ऋषिकुमार

मंत्र भारत संवाददाता

ऋषिकेश। आज परमार्थ निकेतन का वातावरण अत्यंत दिव्य और मंगलमय हो उठा, जब पांच सप्ताह की विदेश यात्रा के पश्चात परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी एवं ग्लोबल इंटरफेथ वाश एलायंस की अंतरराष्ट्रीय महासचिव, साध्वी भगवती सरस्वती जी परमार्थ निकेतन पधारे।

परमार्थ निकेतन परिवार ने वेदमंत्रों की गूंज, शंखध्वनि की पवित्रता और पुष्पवर्षा की सुगंध से वातावरण को आध्यात्मिकता से युक्त कर दिया। पूज्य स्वामी जी और साध्वी जी के अभिनन्दन के इन दिव्य क्षणों में नन्हे-नन्हे ऋषिकुमार आनंद और कृतज्ञता से अभिभूत हो उठे। पूज्य स्वामी जी का सान्निध्य पाकर उनका हृदय गद्गद हो गया।

आज हिन्दी दिवस को भी परमार्थ निकेतन ने दिव्यता और गर्व के साथ मनाया। विश्वविख्यात गंगा आरती के माध्यम से हिन्दी के महत्व का संदेश पूरे विश्व को दिया गया। आरती के प्रत्येक मंत्र, भजन और प्रार्थना ने यह उद्घोष किया कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी आत्मा और हमारी पहचान की अभिव्यक्ति है। स्वामी जी ने संदेश दिया कि 'हिन्दी वह सेतु है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है। आधुनिक युग में भले ही हम वैश्विक भाषाओं से जुड़े, पर अपनी हिन्दी से दूरी हमें अपनी आत्मा से दूर कर देगी।'

वर्तमान समय में जब दुनिया वैश्वीकरण की ओर तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को हर क्षेत्र में दक्ष बनाना है। निश्चित ही अंग्रेजी और अन्य

अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं का ज्ञान उन्हें वैश्विक मंच पर ले जाएगा, परंतु यदि हमने उन्हें हिन्दी और संस्कृत से नहीं जोड़ा, तो वे अपनी जड़ों से कट जाएँगे।

हिन्दी और संस्कृत केवल भाषाएँ नहीं, बल्कि हमारे संस्कार, मूल्य और सांस्कृतिक चेतना की धरोहर हैं। इन भाषाओं में रचित साहित्य, वेद, उपनिषद, शास्त्र और कविताएँ हमारी आत्मा की आवाज हैं। यदि नई पीढ़ी को केवल अनुवाद या किसी व्याख्याकार की नजर से साहित्य मिलेगा, तो वे मूल रस, गहराई और आत्मा से वंचित रहेंगे।

अतः आज आवश्यकता है कि हम गर्व से हिन्दी बोलें, संस्कृत के ज्ञान को जीवन में उतारें और आने वाली पीढ़ी को यह धरोहर सौंपें। उन्होंने बताया कि जब वे पहली बार अमेरिका से भारत आईं, तब हिन्दी उनके लिए एक नई भाषा थी परन्तु माँ गंगा के तट पर जीवन बिताते हुए, परमार्थ परिवार और ऋषिकुमारों के सान्निध्य में उन्होंने धीरे-धीरे हिन्दी को आत्मसात किया।

साध्वी जी ने कहा कि हिन्दी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, भावनाओं और आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति है। आज वे न केवल हिन्दी बोलती हैं, बल्कि उसे अपने हृदय की भाषा मानकर विश्वभर में संदेश देती हैं। हिन्दी की मधुरता, उसकी आत्मीयता और उसका अपनापन ही उसे अद्वितीय बनाता है।

विश्वभर में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में स्वामी जी और साध्वी जी अनेक मंचों पर हिन्दी में भारतीय संस्कृति, योग, ध्यान, गंगा संरक्षण और वसुधैव कुटुम्बकम् के संदेश को प्रभावशाली ढंग से रखते हैं। उनके विचारों ने विश्व के अनेक देशों में भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और सनातन संस्कृति के प्रति नई चेतना जगाई।

परमार्थ निकेतन में गूँजते वेदमंत्रों और गंगा जी की आरती की दिव्य लहरियाँ यह संदेश देती है कि चाहे हम कहीं भी जाएँ, किसी भी भाषा या संस्कृति से जुड़े हों, हमारी असली पहचान हमारी सनातन परंपरा और हमारी मातृभाषा में ही निहित है।

नई भर्ती के साथ साथ पुराने कर्मचारियों को भी मिलेगा मौका, एक हफ्ते बढ़ाई गई आवेदन की तारीख

कौशाम्बी। मेडिकल कॉलेज (स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय) के प्राचार्य डॉ हरिओम कुमार सिंह ने बताया कि मेडिकल कॉलेज की प्रथम एल0ओ0पी0 में स्वीकृत 219 पदों पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती के लिए जेम पोर्टल पर निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर सेवा प्रदाता एजेन्सी का चयन हुआ है।शासनादेश में उल्लिखित निर्देशों के अनुपालन में 219 पदों में से 26 गार्डों की भर्ती भूतपूर्व सैनिक कल्याण निगम, उ0प्र0 से की गयी थी, जिसके उपरान्त शेष बचे 193 पदों की भर्ती प्रक्रिया सेवायोजन पोर्टल पर प्रक्रियाधीन है।

ज्ञात हो कि उन्होंने बताया कि वर्तमान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, कौशाम्बी में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत 128 पदों मे से चिकित्सा महाविद्यालय के लिए स्वीकृत 193 पदों में जो पद विद्यमान थे, उनके सापेक्ष 53 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को समायोजित किया जाना है। शासनादेश में उल्लिखित निर्देशानुसार कुल स्वीकृत पदों के सापेक्ष 25 प्रतिशत पदों पर पूर्व कार्यरत कर्मचारियों को समायोजित किया जा सकता है, जिसके अनुसार पूर्व कार्यरत 48 अन्य आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को समायोजित किए जाने की कार्यवाही की जाएगी।

पति से तंग महिला ने गंगा पुल से नदी में लगाई छलांग, सूचना पर पहुंची पुलिस ने बचाई जान

कौशाम्बी। जिले में एक महिला अपने शराबी पति से परेशान रहती थी,पति से परेशान महिला ने गंगा नदी के पुल पर चढ़कर गंगा नदी में छलांग लगा दी,लोगो ने देखा तो इसकी सूचना कोखराज थाना पुलिस को दी,सूचना पर महिला एसआई विंध्यवासिनी और कांस्टेबल पहुंचे और देखा कि महिला झाड़ी में फंस गई है,पुलिस ने नाव के सहारे पहुंचकर उसकी जान बचा ली। घटना कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी टोल प्लाजा के पास गंगा नदी पुल की है जहा कोखराज गांव निवासी लक्ष्मी देवी 30 पत्नी फुर्ती लाल सरोज अपने पति के शराब पीने की आदत और मारपीट से परेशान रहती थी,आए दिन मारपीट से परेशान लक्ष्मी देवी रविवार को गंगा नदी के पुल पर पहुंची और छलांग लगा दी।गंगा में कूदने के बाद वह बहने लगी और कुछ दूर जाकर झाड़ी में फंस गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना कोखराज थाना पुलिस को दी,सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाव से जाकर महिला को सकुशल बचा लिया।

फार्मास्युटिकल सीडीएमओ प्लेयर, कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड ने सेबी के पास आईपीओ के लिए आवेदन पत्र दाखिल किए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड, जो भारत में अनुबंध विकास और विनिर्माण संगठन ('सीडीएमओ') उद्योग में 24 अलग-अलग फ़ॉर्मूलेशन प्रकारों (स्रोतः एफ एंड एस रिपोर्ट) में क्षमता वाले खुराक रूपों की संख्या के मामले में दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है, ने अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है, जिसमें ?2, 950 मिलियन तक के नए निर्गम और ?5/- अंकित मूल्य वाले 6, 000, 000 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

कंपनी एक सीडीएमओ के रूप में कार्य करती है जो संस्थागत और निजी ग्राहकों के लिए जटिल जेनेरिक दवाओं सहित, अधिक जटिल वितरण रूपों, जैसे संशोधित और निरंतर रिलीज़ रूपों में, फ़ॉर्मूलेशन के विकास, ऋण लाइसेंसिंग और पेटेंट-रहित उत्पादों के वाणिज्यिक निर्माण में संलग्न है। कंपनी के पोर्टफोलियो में इंजेक्शन, टैबलेट, कैप्सूल, मलहम, आई ड्रॉप, एम्पुल, शीशियाँ, तरल और सूखे सिरप, और इन्फ्यूजन सहित कई खुराक रूपों में उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

कोटेक अपने समकक्ष कंपनियों में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली कंपनियों में से एक है, जिसका राजस्व वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 तक 52.72इ की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ है, जैसा कि हमारे पुनर्कथित समेकित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने उच्च-मूल्य वाले ग्राहकों, विशेष रूप से उच्च-मूल्य वाले उत्पादों में लगे ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करके अपनी रणनीति में बदलाव किया है। इस बदलाव ने इसकी वित्तीय स्थिति को मज़बूत किया है और स्थायी व्यावसायिक विकास को बढ़ावा दिया है, जैसा कि वित्त वर्ष 2023 और 2025 के बीच 81.79इ की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर और कर-पश्चात लाभ में 99.36इ की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से स्पष्ट है। ईए रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 के दौरान, हमारी कंपनी ने अपने समकक्ष कंपनियों के बीच सबसे अधिक 36.43इ का ँदर्ण और 33.91इ दर्ज किया। वित्तीय वर्ष 2025 के लिए, कंपनी ने ?1, 922 मिलियन का राजस्व रिपोर्ट किया, जो इसके रणनीतिक पुनर्गठन की प्रभावशीलता और बेहतर परिचालन प्रदर्शन में इसके योगदान को रेखांकित करता है।

फ्लिपकार्ट ने भारत के उभरते डी2सी फ़ैशन इकोसिस्टम को सशक्त बनाने के लिए 'फ़ैशन स्पॉटलाइट' लॉन्च किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 2025 के त्योहारी सीज़न से पहले, भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट ने 'फ़ैशन स्पॉटलाइट' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम डिजिटल-प्रथम फ़ैशन ब्रांडों, विशेष रूप से टी2क्षेत्रों के, के विकास को गति देने के लिए उनका प्रमुख कार्यक्रम है। फ़ैशन के लिए डी2सी परिदृश्य, विशेष रूप से टी2क्षेत्रों के उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण विकास अवसर बना हुआ है, जिनके पास अपने व्यवसाय को तेज़ी से बढ़ाने में सक्षम बनाने वाले सही उपकरणों तक पहुँच नहीं हो सकती है। फ्लिपकार्ट की योजना इस कार्यक्रम को वर्ष के अंत तक 10 गुना बढ़ाने, लगभग 500 ब्रांडों तक पहुँचने और अंततः कई और ब्रांडों तक अपनी पहुँच का विस्तार करने की है; जिससे फ़ैशन स्पॉटलाइट डी2सी फ़ैशन प्रतिभाओं के लिए एक वास्तविक लोकतांत्रिक लॉन्चपैड बन जाएगा।

लॉन्च के बारे में बात करते हुए, फ्लिपकार्ट फैशन के उपाध्यक्ष, कुणाल गुप्ता ने कहा, 'फैशन में डी2सी क्रांति भारत भर के उद्यमियों की एक नई लहर द्वारा संचालित हो रही है, जो क्षेत्रीय संस्कृतियों और उपभोक्ता आवश्यकताओं में गहराई से निहित हैं। स्पॉटलाइट उनके लिए बनाया गया है - गर्म जलवायु, स्थानीय उपयोग के मामलों और फैब्रिक इनोवेशन के लिए ब्रांड्स का निर्माण, जो भारत के लोगों को सही फैशन प्रदान करते हैं। हमारा लक्ष्य उन्हें उनके शून्य से एक के सफर में सक्षम बनाना है, जब तक वे पैमाने और उत्पाद-बाजार मान्यता प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक उनका समर्थन करते हैं।'

अपना दल कमेरावादी के राष्ट्रीय अधिवेशन में कृष्णा पटेल को पांचवीं बार चुना गया पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष

कौशाम्बी। जिले के सिराथू में आयोजित अपना दल कमेरावादी के राष्ट्रीय अधिवेशन में कृष्णा पटेल को एक बार फिर सर्वसम्मति से पांचवीं बार पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा होते ही पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्प एवं पौधे देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।सिराथू के सैनी कृषि मैदान में अपना दल कमेरावादी का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित हुआ,अधिवेशन में वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल को पुनः सर्व सम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है,इसकी घोषणा मंच से की गई। घोषणा होते ही पार्टी के जिंदाबाद के नारे लगने शुरू हो गए। पार्टी के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्प देकर बधाई दी।

इस दौरान सिराथू से विधायक पल्लवी पटेल ने कहा कि यह पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन है,इस अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल को पांचवीं बार पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गए है, उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन इसलिए सिराथू कौशाम्बी में किया गया है कि इससे 2026 के जिला पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव की दिशा और दशा तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि एँदं के नाम पर,जातिगत आरक्षण के नाम पर,नौकरी छीन लेने के नाम पर शोषण हो रहा है।उसके विरोध में हम खड़े है, उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनगणना जब होगी तो हर समाज की संख्या निकल कर आएगी और आंकड़ों से हर समाज की शिक्षा, नौकरी, कमाई, दवाई, पढ़ाई में उसकी भागीदारी होगी।

16 नवंबर को सर्व वैश्य एवं व्यापारी समाज का विशाल सम्मेलन लखनऊ में होगा आयोजित

व्यापारियों के हित में समर्पित है सरकार : बृजेश शुक्ला

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। वैश्य एवं व्यापारी समाज की बैठक आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता उत्तर प्रदेश व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष के जिला अध्यक्ष सुनील केसरवानी ने किया इस अवसर बैठक के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य स्तर मंत्री बृजेश शुक्ला ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार व्यापारियों के हित में समर्पित है जो व्यापारियों के हित में क़दम उठा रही है और सरकार गुंडों और माफियाओं के ऊपर नकेल कसने का काम किया है जिससे आज व्यापारी पूर्ण रूप से सुरक्षित होकर व्यापार कर रहा है और कहा कि व्यापारियों के द्वारा मांग किए जाने पर मोदी सरकार के द्वारा जीएसटी पर टैक्स कम कर देंने से बिक्री बढ़ेगी और व्यापारियों को लाभ मिलेगा।

आगे कहा कि 16 नवंबर को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के द्वारा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन अग्रवाल के नेतृत्व में विशाल सम्मेलन सर्व वैश्य समाज और व्यापारी समाज का आयोजन किया जाएगा जिसको हम सभी को मिलकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना और सरकार के द्वारा व्यापारियों के हित में किए गए कार्य को बताना है।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि बैठक में व्यापारियों ने जीएसटी पर और सुधार करने को लेकर अपना सुझाव दिया और जिला प्रशासन के द्वारा गाड़ियों पर जबरन किए जा रहे चालान को समाप्त करने को लेकर अपनी विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश मंत्री कमलेश केसरवानी ने कहा कि सर्व वैश्य सम्मेलन को हमें पूरी ताकत के साथ सफल बनाना है। संचालन राजेश केसरवानी एवं राजकुमार केसरवानी ने किया और समापन गौरव गुप्ता ने किया।

इस अवसर व्यापारी एवं वैश्य समाज के नेता प्रमिल केसरवानी रमेश चंद्र केसरवानी, कांत केसरवानी, तीर्थराज केंसरवानी, धर्मेंद्र केसरवानी, अनिल केसरवानी, अशोक कुमार गुप्ता, राजेन्द्र केसरवानी हिमांशु खरबंदा, राजीव कृष्ण श्रीवास्तव, सुनील केसरवानी पप्पू कटरा, अजय कुमार कमलेश केशरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, शिव शंकर आदि सैकड़ो व्यापारी उपस्थित रहे।

दहेज उत्पीड़न के मामले में नंद और नंदोई के खिलाफ कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े दहेज उत्पीड़न, मारपीट और छेड़खानी के मामले में नंद दीक्षा कटियार व आकांक्षा कटियार तथा नंदोई बिजेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही शिकायतकर्ता स्वाती कटियार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

यह मामला न्यायिक मजिस्ट्रेट कानपुर द्वारा पुलिस चार्जशीट पर संज्ञान लेने से जुड़ा था, जिसमें नंद-नंदोई ने केस कार्यवाही को चुनौती दी थी। पत्नी स्वाती कटियार ने अपने पति शिवम कटियार, सास, नंद, नंदोई सहित अन्य पर दहेज मांगने, मारपीट और छेड़खानी का मामला थाना गोविंदनगर, कानपुर में दर्ज कराया था।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने प्रभा कटियार व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुनील चौधरी ने बहस में कहा कि घटना वाले दिन नंद दीक्षा कटियार इलाज कराने ससुराल आई थीं, जहाँ उनके जीजा बृजेंद्र प्रताप सिंह व बड़ी बहन आकांक्षा कटियार मौजूद थे। 27 मई 2024 को दीक्षा, आकांक्षा व नंदोई विदेश मलेशिया चले गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वाती कटियार ने पूरे परिवार को झूठे दहेज उत्पीड़न के मामले में फंसाया और देवर पर छेड़खानी का मामला दर्ज कराया।

याचिकाकर्ताओं ने यह भी बताया कि स्वाती कटियार बार-बार ससुराल की संपत्ति अपने नाम कराने का दबाव बनाती रहीं। विवाद बढ़ने पर सास प्रभा कटियार ने न्यायालय में चल-अचल संपत्ति से बेदखली कराई, जिसके बाद स्वाती कटियार और उनके पति अलग रह रहे थे। वहीं से उन्होंने फिर से संपत्ति अपने नाम कराने का दबाव बनाया और उत्पीड़न किया। अंततः उन्होंने पुलिस में शिकायत कर सुलह के बाद फिर से झूठे आरोप लगाए।

हाई कोर्ट ने इन तथ्यों के आधार पर नंद और नंदोई के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। यह आदेश पारिवारिक विवादों में झूठे आरोपों से बचाव का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है।

ट्रिपल आईटी के पूर्व निदेशक डॉ एम डी तिवारी की स्मृति में स्वर्ण पदक देगा मुक्त विश्वविद्यालय

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने प्रख्यात शिक्षाविद् तथा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, ट्रिपलआईटी, प्रयागराज के पूर्व निदेशक डॉ एम डी तिवारी की स्मृति में दानदाता स्वर्ण पदक देने का निर्णय लिया है। डॉ तिवारी ने ट्रिपल आईटी प्रयागराज की अवधारणात्मक, योजनाबद्ध और विकसित संरचना निर्मित की और स्थापना से 15 वर्षों तक निदेशक के रूप में कार्य किया। वें भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष रहे। रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति रहते हुए डॉ तिवारी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई नए मानक स्थापित किये। मुक्त विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में हमेशा डॉ तिवारी का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा।

डॉ तिवारी की धर्मपत्नी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की पूर्व उपाचार्य डॉ इति तिवारी के प्रस्ताव को स्वीकार कर विश्वविद्यालय कार्य परिषद ने डॉ एम डी तिवारी की स्मृति में दानदाता स्वर्ण पदक दिए जाने का निर्णय लिया।

पहली बार प्रारंभ हुए डॉ मुरलीधर तिवारी स्मृति स्वर्ण पदक को कल 20 वें दीक्षांत समारोह में विज्ञान विद्या शाखा में सर्वश्रेष्ठ स्नातक उमा यादव को प्रदान किया जाएगा।

जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इसके साथ ही 20 वें दीक्षांत समारोह में एक अन्य दानदाता स्वर्ण पदक मुक्त विश्वविद्यालय के कर्मचारी इंदू भूषण पांडेय की पत्नी स्वर्गीय चारुल पांडेय की स्मृति में प्रारंभ किया गया है। स्वर्गीय चारुल पांडेय स्मृति स्वर्ण पदक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर विद्यार्थी नेहा कनौजिया को प्रदान किया जाएगा। स्व.चारुल पांडेय सरकारी सेवा में रहते हुए भी हमेशा सामाजिक कार्यों में गहरी रुचि लेती थीं।

संतान की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आश्विन कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर जीवित्पुत्रिका व्रत महिलाओं ने अपनी संतानों के लिए रखा। संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि व अच्छे स्वास्थ्य के लिए महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान विष्णु, माता जीमूतवाहन व अपने आराध्य का विधिविधान से पूजन-अर्चन किया। त्रिवेणी बांध के आसपास पुरोहितों से व्रत कथा सुनी गई तो जीमूतवाहन का विधिविधान से पूजन करने के बाद पुरोहितों को दान-दक्षिणा की गई। व्रत का पारण सोमवार को किया जाएगा। निर्जला व्रत रखकर महिलाओं ने अपनी संतानों के सुखद जीवन के कामना करते हुए सोने व चांदी से निर्मित जितिया धागा धारण किया। मान्यता के अनुसार व्रत को करने से माताओं के पुत्र पर आए संकट को टालने के लिए स्नान व दान-दक्षिणा की गई। पूजन में फूल-माला, मिठाई व कई प्रकार के फल रखे गए। पूजन के दौरान बांध पर व्रती महिलाओं के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे। शाम को घर आने पर धागा पुत्रों के गले में बांधा गया।

शिक्षिका रेनू मिश्रा हिन्दी दिवस पर हुईं सम्मानित

हिन्दी दिवस पर दिल्ली में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में दिया गया प्रशस्ति पत्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। खेलगांव पब्लिक स्कूल, प्रयागराज की शिक्षिका और सुप्रसिद्ध कवियत्री, साहित्यकार रेनू मिश्रा 'दीपशिखा' को नई दिल्ली में हिन्दी दिवस पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। हिन्दी अकादमी दिल्ली सरकार एवं मधुबन एजुकेशनल बुक्स की ओर से भाषा उत्सव 'हिंदी है हम' कार्यक्रम का आयोजन सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया ब्लॉक ए हौज खास, नई दिल्ली में हुआ। ख्यातिलब्ध कवियत्री और साहित्यकार रेनू मिश्रा दीपशिखा को साहित्य के क्षेत्र में पूर्व में भी कई मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है। रेनू मिश्रा को प्रयागराज ही नहीं आसपास के जनपदों और राज्यों में काव्य पाठ के लिए आमंत्रित किया जा चुका है। जहां वह कई बड़े मंचों पर काव्य पाठ कर तालियां बटोर चुकी हैं। इस मौके पर अतिथियों द्वारा लोगों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कला एवं संस्कृति मंत्री दिल्ली सरकार कपिल मिश्रा, विशिष्ट अतिथि आईएएस डॉ रश्मि सिंह, भाषा विशेषज्ञ प्रो चांद किरण सलूजा, भाषाविद डॉ सुरेश पंत, राजदूत सूरीनाम अरुण कोएमर हार्डियन, वाणिज्यिक सलाहकार ईरान दूतावास डॉ होसैन बामिरी, अखिल विश्व हिंदी समिति, टोरंटो ओंटारियो, कनाडा के अध्यक्ष गोपाल बघेल, कूटनीतिज्ञ विशेषज्ञ एवं पूर्व सलाहकार गृहमंत्री भारत सरकार ब्रिगेडियर संजय अग्रवाल, समाचार वाचक सईद अंसारी, अंतरराष्ट्रीय हिंदी समिति के अध्यक्ष डॉ प्रवीन गुप्ता, राजभाषा संस्कृति मंत्रालय के सहायक निदेशक राजेश गुप्ता, सांस्कृतिक विभाग चीन दूतावास नई दिल्ली के सचिव शु निंग उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक नवीन राजलानी, हिमानी मित्तल आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़े के उपलक्ष्य में स्वच्छता रैली का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इफको घियानगर फूलपुर में स्वच्छता पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'स्वच्छता में सहकार ' की भावना के साथ जागरूकता हेतु स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया के नेतृत्व में रैली का शुभारंभ हुआ। स्वच्छता रैली बैनर, पोस्टर तथा स्वच्छता जागरूकता के नारों के साथ निकाली गई जो कि स्वच्छता का संदेश दे रही थी। इसके साथ ही इफको घियानगर कालोनी में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि प्लास्टिक का प्रयोग बिलकुल ना करें क्योंकि यह धरती एवं समुद्र को दूषित कर रहा है तथा इसका दुष्प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है।

इसके अतिरिक्त स्वच्छता विषय पर सभी वर्ग के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक संजय भंडारी, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः रत्नेश कुमार, एस.के.सिंह, आर.पी.यादव, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, अनिल कुमार सिंह, डी.के.शुक्ल, उमेश कुमार, नीरज कुमार तथा बड़ी संख्या में बच्चें, महिलाएं तथा इफको कर्मचारी शामिल रहे।

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति का 12वाँ वृक्षारोपण अभियान सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति द्वारा इस मानसून सत्र का 12वाँ वृक्षारोपण अभियान जिला कारागार, सुद्धोवाला देहरादून में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक वृक्षों का रोपण किया गया। जिला कारागार में सम्पन्न किया गया ये वृक्षारोपण कार्यक्रम द्वितीय चरण का अभियान है। लगाए गए वृक्षों में आम, नीम, पिलखन, चंपा, बॉटलब्रश, कनेर, जामुन इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

पूरे कार्य का संयोजन व विशेष सहयोग राम कपूर, संस्थापक एवं अध्यक्ष, क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट सोसाइटी ने किया। संस्था का प्रत्येक सदस्य इस कार्य हेतु तन मन धन से पर्यावरण के संरक्षण हेतु समर्पित रहा। इस मानसून सत्र में अभी तक क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट द्वारा 2000 से अधिक वृक्षों का रोपण किया जा चुका है। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी अतिथियों ने सोसाइटी के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में और अधिक हरियाली फैलाने और वृक्ष लगाने का आह्वान किया और साथ ही समिति लगातार द्वारा किए जा वृक्षारोपण अभियानों की खूब सराहना की।

इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, सचिव जे पी किमोठी, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, संयोजक नितिन कुमार, हर्षवर्धन जमलोकी, राजेश बाली, रविन्द्र सिंह खालसा, गगन चावला, दीपक सिंह, दिवाकर नैथानी, एडवोकेट दीपक कुमार, मंजुला रावत, सोनिया, सन्नी कुमार, प्रकाश गोदियाल, ऋषभ रावत, दीपक वासुदेव, शिवम, सुंदर, आर के जोशी तथा जेल प्रशासन से जेलर पवन कोठारी, डिप्टी जेलर विवेक शुक्ला, सब इंस्पेक्टर अरविंद रावत, मौजूद रहे।

भारतेन्द्र त्रिपाठी श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित किए गए

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज के सहायक अध्यापक भारतेन्द्र कुमार त्रिपाठी को बीबीएस इंटर कालेज गोहरी फाफामऊ प्रयागराज में अशासकीय स्ववित्त पोषित विद्यालय महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित डां राधाकृष्णन श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान समारोह में में सम्मानित किया गया।शिक्षक विधायक डॉ बाबूलाल तिवारी ने उन्हें माल्यार्पण कर अंगवस्त्र पहनाकर उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यालय में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने को प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक आर एन विश्वकर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी एन सिंह, भाजपा प्रशिक्षण अभियान उत्तर प्रदेश के सह संयोजक डॉ शैलेश कुमार पाण्डेय सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे। शजूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय और महामंत्री राजेंद्र अनुरागी सहित तमाम शिक्षकों ने श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दिया।

10वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 580 मरीज देखे गए - डॉ. जी. एस. तोमर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में विश्व आयुर्वेद मिशन के द्वारा सुदर्शन आयुर्वेद हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, कतवारूपुर, हनुमानगंज में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हण्डिया के पूर्व प्राचार्य डॉ जी एस तोमर की अगुवाई में डॉ वीएन त्रिपाठी, डॉ सुभाष राय, डॉ रंजना तिवारी, डॉ अवनीश पाण्डेय, डॉ कामता प्रसाद, डॉ आशीष मौर्य एवं डॉ अविनाश सिंह सहित ख्यातिलब्ध चिकित्सकों की टीम ने पाँच सौ अस्सी रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं निःशुल्क औषधि वितरण किया ।

इस अवसर पर उपस्थित मरीजों की हड्डियों की मजबूती की जाँच (बोन मिनरल डेंसिटी), ब्लड सुगर एवं हीमोग्लोबिन का परीक्षण भी निःशुल्क किया गया । साथ ही साथ उनको आयुर्वेदीय जीवनशैली एवं खानपान की जानकारी सहित रोज़मर्रा की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आसपास उपलब्ध जड़ीबूटियो की जानकारी भी प्रदान की गई ।

इस अवसर पर सुदर्शन आयुर्वेद सेंटर के डायरेक्टर राजेन्द्र सिंह ने शिविर की समुचित व्यवस्था की एवं एवं अखिलेन्द्र सिंह, अंकुर सिंह, मनीष त्रिपाठी, रणविजय सिंह, विवेक गुप्ता, एम के सिंह, उत्तम श्रीवास्तव, नीरज त्रिपाठी, अशोक मिश्रा एवं अनिल यादव आदि ने सहयोग प्रदान किया । जाँच एवं औषधि वितरण में प्रवेक कल्प, एमिल, झंडु, अमृतालय, अक्षय फार्मा, नागार्जुन, स्वास्थ्य वर्धक? वशिष्ठा, साण्डू, आर्ब्रो आदि औषधि निर्माणशालाओं ने निःशुल्क जाँच एवं औषधियों की आपूर्ति की ।

विद्यार्थियों को दी गई स्वस्थ जीवनशैली की जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) चायल के कसेंदा प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र में शुक्रवार को नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी और फिल्म एंड थिएटर विभाग के छात्रों ने किया। नुक्कड़ नाटक, पोस्टर और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से छात्रों ने संतुलित आहार, मोटे अनाज (मिलेट्स) का महत्व, पोषण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाई। विद्यार्थियों को बताया गया कि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार, रागी और कोदो शरीर को आवश्यक पोषण देने के साथ-साथ अनेक बीमारियों से बचाव में सहायक होते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पेंसिल किट, कॉपी, चॉकलेट और बिस्किट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. श्रीवत्सल, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. तिलक आनंद, डॉ. शायरा सुलतान, डॉ. ममता सुगंधा, डॉ. शिल्पा यादव सहित कई शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था कमिश्नरेट प्रयागराज अजय पाल शर्मा द्वारा त्रिवेणी सभागार रिजर्व पुलिस लाइन्स प्रयागराज में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली(के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गयी। जिसमें पुलिस उपायुक्त यमुनानगर, पुलिस उपायुक्त नगर तथा समस्त सहायक पुलिस आयुक्त एवं थाना प्रभारी व आईजीआरएस कर्मचारीगण उपस्थित रहें। सम्बन्धित को एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के तहत प्राप्त प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

सम्पादकीय

वर्दी में पुलिस का धर्म सिर्फ कानून है निष्पक्षता असली पहचान; सुप्रीम कोर्ट को क्यों देनी पड़ी यह नसीहत?

किसी भी मौके पर जब पुलिस के हस्तक्षेप की जरूरत पड़ती है, तब उम्मीद की जाती है कि वह बिना किसी भेदभाव के, पक्षपात किए या दबाव में आए बगैर पीड़ित पक्ष के हक में अपने अधिकारों का उपयोग करेगी। इस क्रम में किसी भी हाल में उसके ऊपर धर्म या जाति से जुड़े आग्रह हावी नहीं होंगे और वह सिर्फ न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि पुलिस महकमे से जुड़े लोग कई बार अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने से नहीं हिचकते।

ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिनमें पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे या किसी खास तबके या समूह के खिलाफ पक्षपात करने के आरोप भी लगे। जबकि कानून की वर्दी पहनने के साथ ही व्यक्ति एक दायित्व से बंध जाता है कि उसे हर हाल में न्याय के पक्ष में खड़ा होना है और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने में कानून की सीमा में सभी स्तर पर सहयोग करना है। अफसोस की बात है कि इस तरह के जिन दायित्वों को याद रखना खुद पुलिस महकमे और उससे जुड़े लोगों की अपनी जिम्मेदारी होनी चाहिए, उसके लिए कई बार अदालतों को हस्तक्षेप करना और याद दिलाना पड़ता है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के अकोला में 2023 में हुए दंगे के एक मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में पुलिस को नसीहत दी कि निष्पक्षता ही उसका असली दायित्व है। अदालत ने कहा कि जब एक बार कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो उसे अपने निजी झुकाव, धर्म, जाति या किसी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से ऊपर उठ कर कानून के मुताबिक अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। उसे अपने पद और अपनी वर्दी से जुड़े कर्तव्य के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करना चाहिए।

हालांकि ये अपेक्षाएं पुलिस महकमे से जुड़े किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के काम करने और सोचने के तरीके में बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के शामिल होनी चाहिए, निष्पक्षता और न्याय के पक्ष में काम करना उसके व्यक्तित्व और विचार का स्वाभाविक हिस्सा होना चाहिए। मगर पहले तो किसी आम नागरिक के सामने पुलिस पर अपने खिलाफ पूर्वाग्रह बरतने और पक्षपात करने का आरोप लगाने की नौबत आती है, फिर शीर्ष अदालत को यह बताना पड़ता है कि पुलिस का काम किसी धर्म या जाति पर आधारित भेदभाव के बिना कानून के मुताबिक निष्पक्ष जांच करना है।

सांप्रदायिक दंगों के दौरान कार्रवाई और जांच के संदर्भ में पुलिस पर धार्मिक पहचान के आधार पर पक्षपात बरतने के आरोप अक्सर सामने आए हैं। कमजोर या वंचित जातियों के लोगों के खिलाफ अपराधों के मामले में भी पुलिस पर रसूख वाले वर्गों के पक्ष में काम करने के आरोप लगते रहे हैं।

इस लिहाज से देखें तो अकोला दंगे से संबंधित मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह महाराष्ट्र सरकार को विशेष जांच दल गठित करने और उसमें हिंदू तथा मुसलिम समुदायों के अधिकारियों को शामिल करने का निर्देश दिया है, वह एक तरह से पुलिस की कार्यशैली में छिपे पूर्वाग्रहों को उजागर करता है। ऐसा पहली बार हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट ने सांप्रदायिक दंगे की जांच के लिए दोनों समुदायों के अफसरों को शामिल करने का आदेश दिया है।

यह याद रखने की जरूरत है कि वर्दी पहनते ही किसी व्यक्ति के साथ यह दायित्व अनिवार्य रूप से जुड़ जाता है कि कानून और न्याय के पक्ष में उसे अपने भीतर के जातिगत या धार्मिक पूर्वाग्रहों और बाहर के दबावों से मुक्त होकर काम करना है।

राष्ट्र की पहचान से विश्व की साझी भाषा तक हिन्दी की शक्ति

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है।

डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आयरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चर्चाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है।

हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, 'दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।' ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी और राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा नवीन ने तो यहां तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन् 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावप्रवण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैंकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथ्नोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, यह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।

हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में 'बॉलीवुड' के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्में भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है। यूएई में हिन्दी एफएम चौनल स्थानीय लोगों की खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निर्माता व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है। जहां-जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी विशेष सम्मान के साथ जीवंत है। यह यथार्थ हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, तकनीकी और प्रशासन के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। फेसबुक, गूगल, यूट्यूब जैसी कंपनियों ने हिन्दी को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। भारत में 80 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ता हिन्दी में सामग्री अपनाते हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है और इसका प्रसार इतनी गति से हो रहा है कि कुछ ही वर्षों में हिन्दी इंटरनेट की प्रमुख भाषा बन सकती है। हिन्दी की संवैधानिक सुरक्षा भारत में संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के तहत निश्चित है। यह धाराएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार, स्वीकार्यता और संरक्षण का मजबूत आधार हैं। यह न केवल भारत की आधिकारिक भाषा है बल्कि सम्पर्क भाषा, प्रशासन और विधि के क्षेत्र में इसका प्रयोग निर्णायक रूप से हो रहा है। भारत के शैक्षिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सांस्कृतिक आयोजनों में हिन्दी को सम्मानपूर्वक अपनाया गया है। विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना, हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की मान्यता दिलवाने की पहल और डिजिटल क्षेत्र में हिन्दी सशक्तीकरण, ये सभी कदम हिन्दी के वैश्विक मंच पर सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए हैं।

कुल मिलाकर, हिन्दी दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, यह हमारी संस्कृति, भाषायी आत्मसम्मान और राष्ट्रीय एकता का दिन है। इस दिन हर भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी को रचनात्मक, सुंदर और समृद्ध बनाए रखने में अपना योगदान दे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का सपना केवल राजभाषा का प्रतिष्ठापन नहीं था बल्कि भारत की आत्मा, उसकी विविधता और सांस्कृतिक गौरव की अभिव्यक्ति थी, जिसे हिन्दी ने बखूबी आकार दिया है। हिन्दी भाषा की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा आज न केवल भारत की बल्कि विश्व संस्कृति की सबसे मजबूत और सुंदर कड़ी बन चुकी है। इसलिए, हिन्दी दिवस के अवसर पर यही प्रेरणा लें कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी का उत्कर्ष हो, इसकी भाषायी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और तकनीकी शक्ति निरंतर बढ़ती रहे और आगामी पीढ़ियां हिन्दी को न केवल संवाद का बल्कि वैश्विक अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावशाली माध्यम बनाएं।

तरक्की की दौड़ में हम खुद ही काट रहे हैं अपनी जड़ें, इंसानियत और कुदरत को भी नहीं छोड़ा

आर्थिक विकास की अंधी होड़ में न मानवीय संवेदनाएं बच रही हैं, न प्रकृति का संतुलन। प्रकृति अब चेतावनी देने के बजाय सीधा हिसाब चुकता कर रही है। आज देश में विकास की रफ्तार तेज है, लेकिन इसी रफ्तार में इंसानियत और प्रकृति, दोनों पिछड़ते जा रहे हैं। रोज आत्महत्या और हिंसा की खबरें समाज की मानसिक थकान का सबूत हैं, तो बादल फटना और पशुओं की आक्रामकता प्रकृति के असंतोष के संकेत।

सवाल यह है कि क्या हम आज सब कुछ जानकर भी अनजान बन रहे हैं और आंख मूंदकर विकास के नाम पर अपनी जड़ें खुद ही काट रहे हैं! देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की कोशिशें लगातार जारी हैं, लेकिन रोज सामने आने वाली आत्महत्या और हत्या की खबरें यह संकेत दे रही हैं कि नागरिक चेतना और मनोबल का स्तर लगातार गिरता जा रहा है।

अतीत की यादें और भविष्य की चिंता छोड़िए; हर पल को जीना ही बुद्धिमानी है, जो आज है वही असली जीवन

आए दिन होते रिश्तों के कत्ल, बलात्कार, छोटी-छोटी बातों पर हत्या और आत्महत्या- ये सब संकेत हैं कि मनुष्य मानसिक रूप से थकता जा रहा है और मानवीय मूल्यों को पीछे छोड़ चुका है। संवेदनशीलता लगातार घट रही है, सहनशीलता खत्म हो चुकी है। मगर एक-दूसरे से आगे निकलने की दौड़ बढ़ती जा रही है, जो तनाव, अकेलापन, रिश्तों में खटास और अविश्वास के रूप में दिखाई देती है। इसके कारण समाज के ताने-बाने को बचाना तो दूर, परिवार को बचा पाना भी मुश्किल हो गया है।

आज वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आय, कारोबार और उत्पादन को ही सफलता का पैमाना मान लिया गया है। इस दौड़ में हम उन नैतिक जिम्मेदारियों और प्राकृतिक संतुलन को नजरअंदाज कर रहे हैं, जो जीवन की असली नींव हैं। हम भूल रहे हैं कि यह जीवन कोई 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की देन नहीं है, जिसमें कोई चिप लगा कर अपने अनुसार नियंत्रण किया जाए। यह प्रकृति की देन है और जो उसके दिए जीवन के मूल और मोल को नहीं समझेगा, प्रकृति वह जीवन सूद समेत वापस ले लेगी। फिर क्यों आज मनुष्य सब जानते हुए भी अनजान बन रहा है?

हाल में लावारिस कुत्तों का मुद्दा इस उपेक्षा का एक उदाहरण है। कुत्ते प्रकृति में विभिन्न आवासों- जंगल, घास के मैदान, तटीय क्षेत्र

में रहने के लिए बने हैं, सड़कों पर भटकने के लिए नहीं। मगर मानव ने उनके प्राकृतिक घर छीनकर उन्हें 'आवारा' बना दिया। परिणामस्वरूप वे आक्रामक होते जा रहे हैं। मामला इतना बढ़ा कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा और इस पर विशेष कमेटी बनाई गई। यही स्थिति पर्यावरण के साथ भी है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हाल ही में बादल फटने की घटनाएं इसकी चेतावनी हैं। पहाड़ों को काटकर और नदियों का अस्तित्व मिटाकर हमने अपने लिए घर तो बना लिए, लेकिन प्रकृति ने उसी नदी को विनाश के रूप में लौटा दिया।

आज पहले के समय से तुलना करें तो परिस्थिति बिल्कुल उलट गई है। उस समय इंसान और प्रकृति के बीच एक गहरा रिश्ता था। दोनों के बीच एक सामंजस्य बना हुआ था। हमारे बुजुर्ग पेड़-पौधों, ऋतुओं, नदियों और पशुओं की पूजा करते थे। वे भले पढ़े-लिखे कम थे, लेकिन उन्हें अच्छी तरह पता था कि जो कुछ हमें मिल रहा है, वह प्रकृति की ही देन है। अगर इसके प्रति भाव बदल गया तो तबाही तय है। गांवों में लोग सादा जीवन जीते थे और सामूहिकता पर जोर देते थे। संवेदनाएं और जिम्मेदारियां भी साझा होती थीं। गली-मोहल्ले के लोग भी रिश्तों से जुड़े होते थे, जिससे भाईचारे का संदेश मिलता था। आज सब उलट है।

गांव से लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। बढ़ती इच्छाओं के चलते अपनी जरूरतों के लिए प्रकृति को निरंतर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। पेड़-पौधे काटे जा रहे हैं, पशुओं से जंगल छीने जा रहे हैं, नदियों का अस्तित्व मिटाया जा रहा है। रिश्तों का रोज खून हो रहा है। एकजुटता, विश्वास और सामूहिकता खत्म होने के कगार पर हैं। इसका खामियाजा हमें त्रासदी के रूप में भुगतना पड़ रहा है. नदियों के खत्म होने से बाढ़, भूकम्प और बादल फटने जैसी घटनाओं में लोगों की जान जा रही है। पशुओं से जंगल छीनकर उन्हें सड़कों पर रहने को मजबूर किया गया है और उनका आक्रोश अब इंसानों पर उतर रहा है।

कई पक्षी और पशु प्रजातियां विलुप्त होने के रास्ते पर हैं। गौरैया, जो कभी हर आंगन में दिखती थी, अब शहरों से गायब है। ऋतुओं का संतुलन बिगड़ चुका है। कभी भीषण गर्मी, तो कभी अनियंत्रित बारिश और कभी असामान्य सर्दी। बढ़ता जलवायु परिवर्तन हमें विनाश की ओर ले जा रहा है। रिश्ते तार-तार हो रहे हैं। अपनों का ही कत्ल आम हो गया है।

पहले गांव सामूहिकता बोध और परिवार की तरह होते थे, आज सामूहिक बलात्कार की खबरें आम हैं। एक-दूसरे से आगे निकलने की प्रतिस्पर्धा ने केवल इंसानियत को ही कमजोर नहीं किया, बल्कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ पर्यावरणीय संकट बनकर सीधे-सीधे हमारी आने वाली पीढ़ियों के जीवन पर असर डाल रहा है।

स्पष्ट है कि चाहे वह पशुओं का घर छीनना हो, प्राकृतिक संसाधनों से छेड़छाड़ करना हो या इंसानियत को ताक पर रखना हो- प्रकृति और जीवन का चक्र हमेशा जवाब देता है। अगर अभी सुधार नहीं किया गया तो आने वाले समय में हम आर्थिक रूप से तो मजबूत हो जाएंगे, लेकिन इंसानियत और नैतिक मूल्यों के नाम पर हमारा दिवालिया होना तय है। सचेतन अनदेखी का हासिल शायद ज्यादा भयावह हो सकता है।

क्या डिजिटल इंडिया सचमुच सबके लिए है? हाशिये पर खड़े लोग क्या ई-गवर्नेंस में अब होंगे शामिल?

कुछ समय पहले सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा था कि ई-गवर्नेंस और कल्याणकारी योजनाओं एवं प्रणालियों तक समावेशी डिजिटल पहुंच आम व्यक्ति के जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का एक हिस्सा है। मामला तेजाब हमले के एक पीड़ित और दृष्टिबाधित व्यक्ति की ओर से दायर याचिकाओं से जुड़ा था। याचिकाकर्ताओं ने यह मुद्दा उठाया था कि देश के तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में तमाम योजनाएं और सेवाएं ऐसी हैं, जिनमें बायोमीट्रिक पहचान से जुड़ी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

इन योजनाओं का लाभ उन जैसे लोग इसलिए नहीं उठा पा रहे हैं, क्योंकि चेहरे के घावों, चोटों के निशान या दृष्टिबाधित होने पर तकनीकी बाध्यताओं के कारण वे अपना पंजीकरण कराने में असमर्थ हैं। चूंकि इन लोगों की डिजिटल पहचान अंकित नहीं हो पाती है या फिर डिजिटल पहचान की जांच में ये लोग नाकाम रहते हैं, इसलिए बैंकिंग, ई-गवर्नेंस और सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं में उनकी पहुंच सुनिश्चित नहीं हो पाती है।

ऐसे में उनके साथ सतत डिजिटल सेवाओं के मामले में भेदभाव हो रहा है। सर्वोच्च अदालत का फैसला अपने आप में काफी तार्किक और सुविचारित है। मगर अभी भी हमारे देश और समाज में कई चीजें ऐसी हैं, जो डिजिटल क्रांति का लाभ आम जनता तक पहुंचने के रास्ते में मुश्किलें पैदा करती हैं। जैसे कि तकनीक की सही जानकारी न होना और भाषा की बाध्यता।

इस कारण बहुत से लोग डिजिटल सेवाओं का फायदा उठाना तो दूर, उल्टा इसके जरिए फर्जीवाड़े का शिकार हो जाते हैं। हाल में ऐसी कई रपट सामने आई हैं, जिनमें तथ्यों पर आधारित दावा किया गया है कि साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने वालों में बुजुर्गों की संख्या काफी ज्यादा है। इसकी वजह यह है कि वे तकनीक के कम जानकार हैं, लेकिन बैंकिंग आदि तमाम सहूलियतें पाने के लिए उन्हें विवशता में डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना पड़ता है।

यह मामला सिर्फ तकनीकी दक्षता का नहीं है, बल्कि इससे एक समावेशी समाज का पहलू भी जुड़ा हुआ है। इस नजरिए से देखें तो दुनिया में साढ़े पांच अरब से ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों को हम तकनीकी रूप से समर्थ मान सकते हैं। यह आंकड़ा वैश्विक आबादी का करीब 68 फीसद है। इनमें से लगभग 5.24 अरब लोग सोशल मीडिया का भी इस्तेमाल करते हैं, जो दुनिया की 64 फीसद आबादी है।

इस संदर्भ में भारत को देखें तो उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या करीब 87 करोड़ थी और इसमें प्रतिवर्ष करीब आठ फीसद की बढ़ोतरी हो रही है। इस आधार पर वर्ष 2025 के अंत तक देश में नब्बे करोड़ लोग इंटरनेट का सक्रिय इस्तेमाल कर रहे होंगे। लेकिन इससे बाहर की आबादी या यों कहें कि उन लोगों की स्थिति क्या है, जो विभिन्न कारणों से डिजिटल तंत्र से नहीं जुड़ पाए हैं।

अगर हम भारत की आबादी 1.40 अरब मानें तो अभी भी करीब पचास करोड़ लोग ऐसे हैं, जो डिजिटल तौर पर शेष देश से कटे हुए हैं। इनमें भी उन लोगों की स्थिति और भी विकट है, जो किसी शारीरिक अक्षमता के कारण डिजिटल साधनों के इस्तेमाल में पीछे छूट जाते हैं। डिजिटल तंत्र के इस असाधारण पहलू की तरफ तब नजर गई, जब सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा कि ई-गवर्नेंस और कल्याणकारी योजनाओं एवं प्रणालियों तक समावेशी और सार्थक डिजिटल पहुंच आम व्यक्ति के जीवन तथा स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का एक हिस्सा है।

शीर्ष अदालत ने इन याचिकाओं की विस्तार से जांच की और यह पाया कि याचिकाकर्ताओं में से एक तेजाब हमले का पीड़ित व्यक्ति अपनी आंखें झपकने में अक्षम है, जबकि दूसरा व्यक्ति पूरी तरह से दृष्टिबाधित है। इस वजह से इन दोनों का बैंक खाता खोलने के लिए जरूरी केवाईसी (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया संपन्न नहीं कराई जा सकती है।

दृष्टिबाधित याचिकाकर्ता ने तर्क दिए थे कि केवाईसी प्रक्रिया के दौरान सेल्फी लिए जाने, लिखित हस्ताक्षर करने, शीघ्रता से ओटीपी पढ़ने और उसे सही स्थान पर भरने जैसी अड़चनें उनके जैसे लोगों के प्रति भेदभावपूर्ण हैं। वहीं, तेजाब पीड़ित व्यक्ति ने दावा किया था कि केवाईसी की प्रक्रिया में कैमरे में देखकर पलकें झपकाने का नियम उन जैसे लोगों के लिए भेदभावपूर्ण है। याचिकाकर्ताओं ने इन तकनीकी बाध्यताओं का हवाला देते हुए केवाईसी के नियमों में बदलाव की मांग की थी, जिसे शीर्ष अदालत ने सभी को गरिमा के साथ जीने और आजीविका कमाने के अधिकार की रोशनी में देखा।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में केंद्र सरकार, रिजर्व बैंक आफ इंडिया और सभी संबंधित पक्षों को केवाईसी की प्रक्रिया में बदलाव का निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि यह दायित्व सरकार का है कि वह समाज में हाशिये पर पड़े, वंचित, कमजोर और दिव्यांग वर्गों को एक समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करे।

इन निर्देशों के तहत अदालत का उद्देश्य देश में नागरिकों की पहचान सुनिश्चित करने वाली प्रक्रिया- आधार, आनलाइन सेवा वितरण मंच और नेट बैंकिंग के माध्यम से डिजिटल प्रगति की लहर के बीच एक महत्त्वपूर्ण पहलू को रेखांकित करना है, जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। यह पहलू डिजिटलीकरण की प्रक्रिया से संबंधित तकनीकों को अपनाने से जुड़ा है, जिनमें अक्सर इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि क्या ये वास्तव में सभी नागरिकों के लिए समावेशी और सुलभ हैं।

अगर ध्यान से देखें तो हम पाएंगे कि बैंकिंग ही नहीं, बल्कि राशन, चिकित्सा और शिक्षा समेत तमाम तरह की सुविधाएं और सेवाएं किसी न किसी रूप में डिजिटल पहचान के स्रोतों से जुड़ गई हैं। लेकिन कोई व्यक्ति यदि किसी शारीरिक अक्षमता, चोट अथवा विकृति के कारण इससे संबंधित प्रक्रिया संपन्न नहीं कर पाता है, तो वह लगभग सभी सेवाओं और सुविधाओं से वंचित हो जाता है।

इस मामले में शीर्ष अदालत का यह कहना भी प्रासंगिक है कि हर स्तर पर डिजिटल खाई को भरना अब केवल नीतिगत मसला नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक जरूरत बन गया है, ताकि प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्ण जीवन, स्वायत्तता और सार्वजनिक जीवन में समान भागीदारी करने का अवसर मिल सके। इस निर्णय का एक उल्लेखनीय पहलू यह भी है कि इसमें नागरिकों की डिजिटल पहचान करने वाली सरकारी और निजी संस्थाओं (जैसे के निजी बैंकों) पर यह जिम्मेदारी डाली गई है कि कोई भी नागरिक किसी शारीरिक अक्षमता, विकृति अथवा दिव्यांगता के कारण डिजिटल रूप से कहीं पिछड़ न जाए।

इस तरह से कहा जा सकता है कि यह फैसला देश में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक अंतर को पाटने का भी काम करेगा। चूंकि इससे सभी नागरिकों को डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में एक समान मौके मिलेंगे। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी काफी गंभीर है। ऐसे लोग जिन्हें मजबूरी में डिजिटल बैंकिंग का सहारा लेना पड़ रहा है, वे साइबर धोखाधड़ी के आसान शिकार बन रहे हैं। ऐसे में बैंकिंग और केवाईसी आदि के लिए कागज आधारित पारंपरिक पुष्टिकरण की व्यवस्था और वीडियो-आधारित केवाईसी की प्रक्रिया आज के समय की जरूरत है। इसी तरह भाषायी समस्या के समाधान के लिए अनुवाद तथा आडियो को केवाईसी का हिस्सा बनाना चाहिए, जबकि दृष्टिहीनों के लिए ब्रेल लिपि आधारित प्रक्रिया विकसित की जानी चाहिए।

पशु चोरी करने वाला शातिर चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

कब्जे से चोरी की भैंस बिक्री का खर्च के उपरांत नगद बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। वादी सहवाग पाल निवासी राघवपुर थाना भदोही जनपद भदोही द्वारा थाना भदोही पर सूचना दिया गया कि उनके घर के बाहर दरवाजे पर बंधी भैंस को कुछ लोगों द्वारा चोरी कर लिया गया है। सूचना पर तत्समय ही मु0अ0सं0-407/2025 धारा-303(2) बी.एन.एस का अभियोग पंजीकृत करते हुए घटना के अनावरण के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद में चुस्त दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व पंजीकृत अभियोग से सम्बंधित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में थानाध्यक्ष भदोही के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा के पास से संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की चेकिंग के दौरान पशु चोरी करने वाले गिरोह के शातिर चोर शुभम यादव पुत्र जयबली यादव निवासी ग्राम राघवपुर थाना भदोही जिला भदोही उम्र करीब 21वर्ष को गिरफ्तार करते हुए कब्जे से पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित चोरी की भैंस बिक्री का खर्च के उपरांत शेष ?2050/- रुपये नगद बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई है। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग का सफल अनावरण करते हुए धारा-317(2), बी.एन.एस. की बढ़ोत्तरी करते हुए विधिक कार्यवाही की गई। अभियुक्तों के अन्य आपराधिक घटनाओं में संलिप्तता की जांच की जा रही है।

पूछताछ में दिनांक 6-7.09.2025 की रात्रि में मैं तथा मेरे पडोसी/पट्टीदार बाबूलाल यादव व बाबूलाल का एक मित्र जिसका नाम शाहिल कुरैशी है। तथा एक व्यक्ति जिसका नाम मैं नही जानता हूँ जो शाहिल कुरैशी का दोस्त है, हम सभी लोग साथ मिलकर अपने राघवपुर गाँव के ही पाल बस्ती में सहवाग पाल की भैस को चुरा लिये और हम सभी लोग भैंस चुराकर खेत के रास्ते बाबूलाल के पाही पर आ गये। भैंस के साथ शाहिल कुरैशी के घर की तरफ चल दिये। शाहिल कुरैशी ने 9000/- रूपया नगद दिया और बोला की यह तुम्हाहा हिस्सा है। उसी 9000/- रूपया में से मैने 6950/- रूपया खर्च कर दिया हुँ। तथा शेष धन 2050/- रूपया मेरे पास है।

शरीर के साथ पर्यावरण की देखभाल जरूरी - नागेंद्र बहादुर यादव पूर्व प्रवक्ता

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वाधान में गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान साइकिल यात्रा निकाली गई।

क्लब के अध्यक्ष अताउल अंसारी ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया।

साइकिल यात्रा आरंभ होकर लाई बाजार, पड़ाव, कौलापुर, छतमी, महावीर, कशुनदेवपुर, सराय जगदीश, धनतुलसी मोड़ होते हुए दौड़ियाही मे पूर्व प्रवक्ता नागेंद्र बहादुर यादव के आवास पर पहुंची ।

वहां पहुँचने पर पूर्व प्रवक्ता नागेंद्र बहादुर यादव ने सभी साइकिल चालकों का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सुबह की हवा 100 रोगों की दवा है । सभी को सुबह उठकर योग व्यायाम कसरत खेलकूद अवश्य करना चाहिए। शरीर के साथ पर्यावरण की भी

देखभाल जरूरी है। इसके लिए वृक्ष लगाए और आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल करें। जितनी देर हम साइकिल चलाते हैं मोटरसाइकिल व कार से निकलने वाले प्रदूषण को भी रोकते हैं। ऐसे हमारा शरीर भी स्वस्थ रहेगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

साइकिल यात्रा पुनः आरंभ होकर दौड़ीयाही, कलनुआ, जंगीगंज बाजार, महुआरी के आस पास का भ्रमण करते हुए वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का नारा लगाते हुए लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए प्राथमिक विद्यालय जंगीगंज प्रथम के सामने इसका समापन हुआ।

साइकिल यात्रा में राजकुमार मौर्या, योगेंद्र बहादुर यादव, राम श्रृंगार चौधरी, जगदीश यादव, सरफराज अहमद, बनारसी बिंद, ओम प्रकाश यादव, अबरार हाशमी, कमलेश कश्यप, महमूद आलम, सीता शरण गौतम, प्रमोद मौर्या, समीर शेख, हीरा बिंद, इमरान अहमद, अबू हुरैरा, अबू दर्दा, शमशुल आरफीन, इम्तियाज अहमद, आलम फिरोज, अवनीश यादव, विराट चौधरी, सुंदरम चौधरी, जिगर गुप्ता, गोपाल चौधरी, आर्यन यादव, आकाश चौधरी, प्रेम गुप्ता, हिमांशु चौधरी, मोहम्मद फैज, मोहम्मद नकीउद्दीन, फैजान आलम समेत आदि रहे।

शनिवार रात शराब की दुकान पर चोरी

5 पेटी शराब और 14 बियर की सीसी समेत नगदी पर हाथ साफ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद के दुर्गागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत संदलूवीर बाजार में शनिवार की रात सरकारी देसी शराब की दुकान पर चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। दुकान की दीवार तोड़कर घुसे चोर करीब 5 पेटी देसी शराब, 14 बियर की सीसी और गले में रखे हजारों रुपये नगद लेकर फरार हो गए।

दुकान के सेल्समैन शुभम जायसवाल ने बताया कि रोज की तरह रात 10 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार सुबह जब करीब 10 बजे दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जांच करने पर स्पष्ट हुआ कि चोर दीवार तोड़कर घुसे थे। मौके पर कुछ बियर की बोतलें पड़ी मिलीं, जबकि नजदीकी खेतों से भी खाली बोतलें बरामद हुईं। इससे साफ है कि चोरों ने वारदात के दौरान ही शराब पीकर जश्न मनाया। शुभम जायसवाल ने बताया कि घटना की सूचना तत्काल 112 नंबर और स्थानीय पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

गौरतलब है कि बीते 2-3 हफ्तों में दुर्गागंज क्षेत्र में पांच से अधिक चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। लगातार बढ़ती वारदातों से व्यापारी और आमजन दहशत में हैं। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि सख्त कार्रवाई कर चोरों को गिरफ्तार किया जाए और रात्रि गश्त को बढ़ाया जाए।

जो राम कथा के रस का प्यासा रहेगा वहीं सच्चा भक्त है-जय प्रकाश मिश्रा

मंत्र भारत संवाददाता

कौलापुर। डीघ ब्लॉक के बिहरोंजपुर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के संगीतमय प्रवचन में कथा वाचक पंडित जय प्रकाश मिश्रा ने अपने प्रवचन में बताया कि जो राम के भजनो में खुद को खो देता है, वहीं भगवान का सच्चा प्रेमी होता है। कहा कि राम कथा से तृप्त होने वाला मनुष्य सच्चा भक्त नहीं है बल्कि जो राम कथा के रस से प्यासा रहेगा वहीं सच्चा भक्त है। जय प्रकाश मिश्रा ने कहा कि भगवान की भक्ति चंचल चित की वृत्ति में नहीं कर सकते है। कहा कि संसार के सभी पेड़-पौधे, पशु-पक्षियों और प्राणियों में जीव है लेकिन केवल मनुष्य में जीव, गतिशीलता और उद्देश्य भी जो सभी से अलग करता है। मनुष्य को यह सोचना चाहिए कि हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है? वाणी का सबसे बड़ा उपयोग भगवान का भजन करना है। इस मौके पर लक्ष्मी शंकर मिश्रा, लल्लन तिवारी, हरिकांत तिवारी, राम अकबाल मिश्रा, सतीश पाण्डेय, कल्लन तिवारी, यज्ञनारायण पाण्डेय, प्रेम पाण्डेय, बाबा शुक्ला, जिलाजीत तिवारी समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गुम हुए व्यक्ति को पुलिस के प्रयास से 4 घंटे में किया सकुशल बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावां क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पकड़ीकला दशरथपुर निवासी बृजलाल यादव पुत्र मुन्नू यादव उम्र करीब 29 वर्ष (मोटर मैकेनिक) द्वारा घर से नाराज होकर बिना बताए कहीं चले जाने के संबंध में सूचना मिली।

सूचना पर तत्समय ही थाना स्थानीय पुलिस द्वारा गुमशुदों की सकुशल बरामदगी के अथक प्रयास जारी की गई। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा गुमशुदा व्यक्तियों के सकुशल बरामदगी की त्वरित कार्यवाही के निर्देश के क्रम में शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी भदोही के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक सुरियावां द्वारा गठित पुलिस टीम के सक्रिय प्रयास से पतारसी-सुरागरसी से ज्ञात हुआ कि उपरोक्त गुमशुदा व्यक्ति थाना सुरियावां क्षेत्र अंतर्गत मौजूद हैं। जनपदीय पुलिस टीम द्वारा उक्त पते पर पहुंचकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए गुमशुदा व्यक्ति की तसदीक उनके परिजनों द्वारा कराई गई। तत्पश्चात उपरोक्त गुमशुदा व्यक्ति को महज 04 घंटे के अंदर बरामद कर आवश्यक विधिक कार्यवाही के उपरान्त उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। गुमशुदा बृजलाल यादव को सकुशल पाकर उनके परिजनों द्वारा पुलिस की कार्यवाही पर आभार व्यक्त करते हुए जनमानस में प्रशंसा की जा रही है।

कांग्रेस कमेटी के मंडल एवं न्याय पंचायत अध्यक्षों की बैठक संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आज सुरियावां ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के मंडल अध्यक्षों एवं न्याय पंचायत अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक भीमसेनपुर स्थित कांग्रेस नेता उमेश पाल के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश चौहान ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस जिलाध्यक्ष वसीम अंसारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं सुरियावां प्रभारी सुबुकतगीनअंसारी ने किया।

बैठक के उपरांत जिलाध्यक्ष वसीम अंसारी एवं ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश चौहान ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों एवं लोकतंत्र की हत्या करने वाली प्रवृत्ति को जनता के सामने लाना कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रमुख दायित्व है। कार्यकर्ताओं के बूथ स्तर तक संगठित प्रयास से ही आमजन को न्याय दिलाया जा सकता है। कांग्रेस पार्टी गाँव-गाँव जाकर जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करेगी।'

जिला उपाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ बिन्द एवं वरिष्ठ कांग्रेसजन सुरेश गौतम ने अपने बयान में कहा कि 'संगठन की मजबूती के लिए हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी से काम करना होगा। भाजपा सरकार ने जनता से किए वादों को तोड़ा है, जिसे जनता के बीच जाकर उजागर करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।'

बैठक का संचालन कर रहे जिला उपाध्यक्ष एवं सुरियावां प्रभारी सुबुकतगीन अंसारी ने कहा कि 'आज की यह बैठक कार्यकर्ताओं को एकजुट कर संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत बनाने की दिशा में अहम कदम है। आगामी कार्यक्रमों को लेकर हर कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।'

अंत में यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शीर्ष नेतृत्व के आदेशानुसार आगामी 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक पूरे जनपद में 'वोट चोर, गाड़ी छोड़' हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, जिसमें गाँव-गाँव जाकर जनता से संवाद स्थापित किया जाएगा तथा भाजपा की जनविरोधी नीतियों को उजागर किया जाएगा।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव नाज़िम अली, सेवा दल काद जिलाअध्यक्ष संदीप कुमार दुबे, विष्णु श्रीवास्तव, श्लोक मिश्रा, राम सजीवन प्रजापति, संतोष पांडेय पप्पू, गणेश यादव, सनी यादव, करण मौर्य, धीरज बिन्द, बांकेलाल गौतम, रंजीत कनौजिया, विनोद गौतम, छोटेलाल पाल, उमेश पाल, शिवधनी पाल, शीतला प्रसाद पाल, रमाशंकर बिन्द, राजेश यादव, नितिन सिंह आदि कांग्रेसजन मौजूद रहे ।

इफको नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के अंतर्गत विकास खंड स्तरीय कृषक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में विकास खंड डीघ के ग्रामसभा सागररायपुर में नैनो उर्वरकों पर आधारित विकास खंड स्तरीय कृषक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इफको डेलीगेट भदोही विजय बहादुर सिंह थे । कार्यक्रम में बी पैक्स जंगीगंज सचिव कमलेश मिश्रा , समाजसेवी अजीत पांडेय थे ।

क्षेत्र अधिकारी इफको भदोही विमल कुमार जायसवाल द्वारा किसानो को फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गई । किसानो को नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस के प्रयोग विधि एवं लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । नैनो डीएपी के 5 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम की दर से बीज शोधन एवं 5 मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से जड़ शोधन करने के बाद आधा घंटा सुखाए उसके बाद बुवाई/रोपाई कर दे एवं जब फसल में पत्तियां आ जाए तो नैनो यूरिया प्लस या नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस का एक साथ 4 मिलीलीटर / लीटर के दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। द्वितीय यूरिया टापड्रेसिंग में सभी किसान भाई दानेदार यूरिया के स्थान पर

नैनो यूरिया का छिड़काव पत्तियों पर करे और यदि धान की फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिख रहे है तो नैनो यूरिया के साथ नैनो जिंक 1-2 स्त/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर सकते है ।नैनो उर्वरकों के प्रयोग से कृषकों के लागत में भी कमी आएगी साथ ही यूरिया एवं डीएपी के अत्याधिक प्रयोग से जल, मृदा एवं पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी अवगत कराया गया ।

आगामी रबी सीजन में सभी किसान भाई मुख्य फसलों गेहूं, सरसों, आलू, चना , मटर में नैनो डीएपी से बीज शोधित कर बुवाई करे एवं दानेदार डीएपी की मात्रा आधी प्रयोग करे ।नैनो डीएपी 500 मिलीलीटर की बोतल से 100 किलोग्राम बीज को शोधित कर सकते है एवं मात्र 600 रूपये की है जो कि दानेदार डीएपी से काफी सस्ता है। नैनो डीएपी के प्रयोग से लागत में कमी आएगी साथ ही उत्पादन के साथ उत्पाद की गुणवत्ता भी बढ़ती है।

किसानो को सागरिका, लिक्विड कंसोर्टिया एवं जल विलय उर्वरक के बारे में भी जानकारी दी गई। इफको डेलीगेट द्वारा कृषकों को संतुलित मात्रा में उर्वरक उपयोग के साथ नैनो तकनीक पर आधारित नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी एवं नैनो जिंक के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं दानेदार उर्वरकों पर भारत सरकार द्वारा दी जा रही भारी भरकम सब्सिडी से भी अवगत कराया गया ।

प्रगतिशील किसान चंद्रेश्वर नारायण द्वारा नैनो उर्वरकों के परिणाम को लेकर अपना अनुभव भी साझा किया गया जिसमें नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस का प्रयोग गेहूं एवं धान की फसल में किया गया था इससे लागत में कमी के साथ उत्पादन भी अधिक हुआ था साथ ही उत्पाद की गुणवत्ता भी बढ़ी। कार्यक्रम के उपरान्त किसान रामनरेश के धान की फसल में नैनो उर्वरकों का प्रदर्शन ड्रोन के माध्यम से सभी कृषकों की उपस्थिति में किसान ड्रोन उद्यमी गौरव सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एसएफए हॉटस्पॉट विकास यादव, प्रगतिशील किसान देवीशंकर, लालचंद्र पाण्डेय सहित 80 से अधिक किसानो ने प्रतिभाग किया।

17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा-2025' के अंतर्गत आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में 17 सितंबर को मा.प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन , 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती व 02 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी के पावन जयंती पर 'सेवा पखवाड़ा' का आयोजन किया जायेगा।'सेवा पखवाड़ा' के कार्यक्रम की शुरुआत ही रक्तदान शिविर से की जाएगी। सेवा पखवाड़ा-2025 पूरे देश में दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक 'विकसित 'भारत' की व्यापक थीम के साथ मनाया जायेगा। यह थीम भारत को वर्ष 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में रूपान्तरित करने की परिकल्पना करती है, जो बहुआयामी प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। इसमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, सांस्कृतिक समृद्धि, सुशासन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, खेल, आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, कृषि, डिजिटल परिवर्तन, नवाचार और उद्यमिता में तेज प्रगति को प्रमुखता दी गयी है। इसी के साथ यह महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण तथा वैश्विक नेतृत्व एवं कूटनीति में भारत की भूमिका को भी रेखांकित करता है, जबकि सेवा, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करता है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अंतर्गत 'स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत 17 से 2 अक्टूबर तक तीनों जिला चिकित्सालय सहित सभी सीएचसी, पीएचसी, स्वस्थ उपकेंद्र , आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर तिथिवार निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 सितंबर को समस्त जिला चिकित्सालय /सामु0/ प्रा0 / न0 प्रा0 स्वा0 केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर मा0 प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का लाईव प्रसारण किया जाएगा। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सभी स्वास्थ्य कैंपों पर निम्नलिखित स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाएगी ।आँखों की जांच, रक्तचाप मधुमेह और दंत की जांच, मुख कैंसर / स्तन कैंसर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की गहन जांच , गर्भवती महिलाओं के लिए, प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण सेवायें, टेलीमानस की सुविधा, टीबी जांच, ब्लड की जांच, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, विशेष परामर्श। निरोगी काया सेन्टर (स्टॉल) पर एच0बी0 की जांच, बी0पी0 की जांच, शुगर की जांच, हाईट/वेट की जांच, योगा सम्बन्धित जानकारी दी जाएगी

18 सितंबर को सामु0 स्वा0केन्द्र, औराई पर विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं आशा कलस्टर मीटिंग 19 सितंबर समस्त आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर आशाओं एवं जनता के साथ संवाद 20 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, भदोही पर विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण तथा सामु0स्वा0केन्द्र, पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन

21 सितंबर समस्त प्रा0स्वा0केन्द्रों / नगरीय प्रा0 स्वा0केन्द्रों पर मा0 मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन 22 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, डीघ में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प, ब्लाक पर सभी कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक के साथ-साथ जन जागरूकता का किया जायेगा।23 सितंबर समस्त आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर ए0एन0एम0 / सी0एच0ओ0 योजनाओं को जागरूक करना द्वारा समस्त 24 सितंबर सामु0स्वा0केन्द्र, गोपीगंज में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण का आयोजन 25 सितंबर जनपद के 06 सामु0स्वा0केन्द्रों पर आशा कलस्टर की मीटिंग एवं सभी स्वास्थ्य कार्यो की समीक्षा।26 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, सुरियवां में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं सभी एम0सी0एच0 स्वास्थ्य प्रदान करना 27 सितंबर 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण का आयोजन 28 सितंबर समस्त प्रा0स्वा0 केन्द्रों / नगरीय प्रा0स्वा0 केन्द्रों पर मा0 मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन 29 सितंबर जनपद के 06 सामु0स्वा0 केन्द्रों पर आशा कलस्टर की मीटिंग एवं सभी स्वास्थ्य कार्यो की समीक्षा। 30 सितंबर सामु0स्वा0केन्द्र, दुर्गागंज में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प, ब्लाक पर सभी कार्यकमों की समीक्षा बैठक के साथ-साथ जन जागरूकता का किया जायेगा। 01 अक्टूबर 03 जिला चिकित्सालय 06 सामु0स्वा0केन्द्र एवं 20 प्रा0 / न0प्रा0 स्वा0 केन्द्रों पर ब्लड ग्रुपिंग का का कार्य। 02 अक्टूबर महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर में बृहद रक्तदान शिविर एवं कुष्ठ आश्रम पीपरीस में दिव्यांग / कुष्ठ रोगियों को फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस विशेष पखवाड़ा में सूचना एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत जनपद में उत्साह एवं व्यापक जन सहभागिता के साथ चित्रकला प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी। इसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों, कला विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि वे कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विकसित, आत्मनिर्भर एवं डिजिटल भारत की परिकल्पना और माननीय प्रधानमंत्री जी तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व को प्रदर्शित कर सकें। सेवा पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत मुख्य रूप से जनपद स्तर पर आयोजित की जाने वाली चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियो द्वारा विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत की संकल्पना को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया जायेगा। सेवा पखवाड़ा-2025 का शुभारम्भ दिनांक 17 सितम्बर, 2025 को किया जायेगा। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के द्वारा विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत की संकल्पना पर आधारित प्रदर्शनी जीआईसी मैदान ज्ञानपुर में लगायी जायेगी।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं अनिवार्य रूप से दिनांक 17 से 30 सितम्बर, 2025 के मध्य करा ली जायें। जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं में अनिवार्य रूप से जनपद में संचालित सम्बन्धित वर्ग के समस्त शिक्षण संस्थानों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाये। प्रतियोगिताओं में सृजित पेंटिग्स में से प्रत्येक वर्ग की उत्कृष्ट तीन पेंटिग्स (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु) का चयन जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा गठित चयन समिति के द्वारा किया जायेगा। दिनांक 02 अक्टूबर, 2025 को जनपद स्तर पर आयोजित गांधी जयन्ती कार्यक्रम में प्रत्येक वर्ग की प्रतियोगिताओ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। तीनो वर्गो में पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप क्रमशः रूपया 51, 000/-, रूपया 21, 000/- एवं रूपया 11, 000/- की पुरस्कार राशि के साथ-साथ फ्रेम किये गये।

मैंने ऑलआउट पी लिया है : आत्महत्या करने जा रही हूँ

छेड़छाड़ से तंग युवती ने सुनाया दर्द वीडियो बनाकर बताए आरोपियों के नाम

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा पर बड़े-बड़े वादे और दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में तस्वीर कुछ और ही है। कानपुर के रायपुरवा थाना क्षेत्र की एक युवती ने शनिवार देर रात छेड़छाड़ से तंग आकर आत्महत्या की कोशिश कर ली। उसने कोई चिट्ठी नहीं, बल्कि वीडियो बनाकर अपना दर्द सुनाया और आरोपियों के नाम तक उजागर कर दिए।

युवती ने वीडियो में कहा, 'मैं आत्महत्या करने जा रही हूँ। मैंने ऑलआउट पी लिया है। मोहल्ले के सचिन निगम, धर्मेंद्र भट्ट, ओम साहू और राजू सिंह मुझे रोज परेशान करते हैं। मैं बहुत दुखी हूँ।' दरअसल, शुक्रवार रात वह मोहल्ले की बर्थडे पार्टी में गई थी। रात करीब डेढ़ बजे लौटी तो उसके घर पर दबंग युवक पहुँच गए। पहले गेट पीटा, फिर जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। युवती के मुताबिक, आरोपी शराब के नशे में थे और उसके साथ जबरदस्ती करने लगे। युवती जैसे-तैसे शोर मचाकर बाहर भागी। कुछ लोग मदद को आए तो आरोपियों ने उन्हें भी गालियाँ दीं और धमकी देकर चलते बने।

युवती ने बताया कि जब घर पहुंची तो पहले मंजिल पर रहने वाले युवक सचिन निगम, सेकेंड फ्लोर पर रहने वाले धर्मेंद्र भट्ट, ओम साहू ने नशे की हालत में मेरे घर आ गए और मेरा गेट पीटने लगे। जब मैंने दरवाजा खोला तो मेरे साथ जबरदस्ती करने लगे। बोले- बताओ हम लोग भी चले तुम्हारे साथ। इसके बाद मेरे घर में मुझे खींच लिया। मैं शोर मचाते हुए घर से बाहर निकली। अपनी जान बचाने को चिल्लाने लगी। तभी मेरे जान पहचान के कुछ लोग पहुंच गए। जब उन्होंने मुझे बचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उनसे भी गाली-गलौज की। वहीं शोर सुनकर जब मोहल्ले के लोग पहुंचे तो आरोपी अंजाम भुगतने की धमकी देते हुए चले गए।

युवती ने बताया- मामले की सूचना पर पुलिस पहुंची लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। बल्कि मुझे ही गलत ठहराने लगे। हालांकि सोशल मीडिया पर वायरल हुए कुछ वीडियो जो की क्षेत्र वासियों द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किए गए हैं, का कहना है युवती के परिजन गाली गलौज करके पूरे मोहल्ले में आतंक मचाते हैं।

सिर पर टोपी, गले में माला : मुस्लिम वेशभूषा में भीख मांगते पकड़ा गया हिंदू शख्स

अभिनेता काशिफ अली ने की पहचान; वीडियो वायरल

लखनऊ (**एजेंसी**)। मौजूदा वक्त में दूसरे धर्म के लोगों को पकड़कर अपने इलाके में दाखिल न होने देने के कई मामले सामने आ चुके हैं। जहां पकड़े गए व्यक्ति से उसका धर्म पूछा जाता है और अगर वो दूसरे धर्म का निकलता है तो उससे इलाके में आने की वजह भी पूछी जाती है। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक हिंदू धर्म के व्यक्ति को मुस्लिम वेशभूषा में मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में भीख मांगते हुए पकड़ा गया। यह घटना ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। आरोपी युवक से न सिर्फ मौके पर उसका धर्म पूछा गया, बल्कि उसकी टोपी और तस्बीह उतरवाकर उसे इलाके से चले जाने को कहा गया।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे एक युवक, जिसकी पहचान अभिनेता काशिफ अली के रूप में हुई है एक भिखारी को रोके हुए है। पूछताछ के दौरान भीख मांग रहे व्यक्ति ने खुद को हिंदू बताया, जबकि उसने मुस्लिम टोपी और तस्बीह पहन रखी थी।

काशिफ अली ने मौके पर ही व्यक्ति से टोपी और तस्बीह उतरवाई और उसे स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर उसे भीख मांगनी है, तो अपने धर्म की पहचान के साथ मांगे, न कि किसी और धर्म का भेष धारण कर। वीडियो में युवक यह भी कहता दिखाई दे रहा है कि यह आस्था के साथ खिलवाड़ है और इससे समुदायों में गलतफहमी पैदा हो सकती है।

जिस युवक ने आरोपी को पकड़ा, वह कोई आम व्यक्ति नहीं बल्कि देसी फिल्मों और सीरियलों में काम कर चुका अभिनेता काशिफ अली है। काशिफ अली ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाते हुए इसे धार्मिक पहचान के दुरुपयोग का मामला बताया है।

फिलहाल इस मामले में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन घटना के वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग इसे धार्मिक पहचान के साथ धोखा बता रहे हैं, तो कुछ लोग घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए सतर्कता बरतने की अपील कर रहे हैं।

योगी सरकार की अनूठी पहल : सर्वोदय विद्यालयों में हर रविवार होगा श्रमदान, छात्र खुद संवारेंगे परिसर

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को और मजबूती देने की दिशा में एक नया कदम उठाया है। राज्य के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में अब हर रविवार 'श्रमदान अभियान' चलाया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देशन में की गई है। इसका उद्देश्य न सिर्फ परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखना है, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता की भावना को भी विकसित करना है।

अब प्रत्येक रविवार विद्यार्थियों को स्वेच्छा से श्रमदान करना होगा। इसमें वे अपने विद्यालय और छात्रावास परिसर की साफ-सफाई, फर्नीचर की मरम्मत, नालियों की सफाई और कचरा प्रबंधन जैसे कार्यों में भाग लेंगे। इसके लिए सभी जरूरी उपकरण जैसे झाड़ू, फावड़े, बाल्टी, तसला और कूड़ेदान पहले से मुहैया करा दिए गए हैं।

इस पहल के तहत बागवानी को भी प्रमुखता दी गई है। छात्र पेड़-पौधों की निराई-गुड़ाई करेंगे, नए पौधों का रोपण करेंगे और सूखे पत्तों से खाद बनाने का काम भी करेंगे। इससे हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी पैदा होगी।

विद्यालयों को विभिन्न सदनों में बांटकर श्रमदान की जिम्मेदारियां तय की जाएंगी, जिससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और स्वच्छता के प्रति प्रेरणा बढ़ेगी। इससे टीम भावना और सहयोग की संस्कृति को भी बल मिलेगा।

श्रमदान से पहले और बाद की तस्वीरें एक निर्धारित प्रारूप के तहत क्यूआर कोड के माध्यम से अपलोड की जाएंगी। इस डिजिटल निगरानी प्रणाली से पारदर्शिता बनी रहेगी और यह भी साफ रहेगा कि किस स्थान पर कौन सा कार्य हुआ है।

लखनऊ हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए उड़ान नहीं भर पाया इंडिगो का विमान

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के लखनऊ हवाई अड्डे से 150 से ज्यादा लोगों को दिल्ली लेकर आने वाला इंडिगो का एक विमान शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान नहीं भर सका। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

सूत्र ने बताया कि विमान में समाजवादी पार्टी (सपा) की नेता और लोकसभा सदस्य डिंपल यादव सहित 150 से ज्यादा लोग सवार थे। सूत्र ने बताया कि इंडिगो का विमान 6ई2111 शनिवार को लखनऊ से दिल्ली के लिए उड़ान नहीं भर सका।

उड़ान भरने से पहले जब विमान हवाई पट्टी पर था तब संचालन दल को विमान में तकनीकी खराबी नजर आई जिसके बाद हवाई जहाज को 'बे' में भेजा गया। इंडिगो ने फिलहाल इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की है।

सुरियावा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में करीब हर गांव में जीवितका व्रत का भारी संख्या में जगह-जगह पूजन किया गया पुत्र के दरगाह की कामना के साथ काफी उत्साह के साथ 52 बीघा तालाब सुरियावा निमकोडिया तालाब सुरियावा जोध राज सिंह तालाब सुरियावा वरुणा नदी के आसपास किनारे के गांव अभिया क्षेत्र में खड़कपुर एकौनी, बहुता बलीपुर, भटेवरा महुआपुर, पट्टीबेजाव, बिहियापुर समस्त ग्रामों में जीवित का व्रत बड़े उत्साह के साथ गाजा बाजा डीजे के साथ किया गया।

पाकिस्तान से आए आतंकियों ने 26 को सिर्फ इसलिए भून दिया क्योंकि वो हिंदू थे- आप क्रिकेट मैच खेल रहे हैं : ओवैसी

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। ऑल इंडिया मजलिस - ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान की कीमत ज्यादा है या मैच से हुई कमाई की। उन्होंने कहा कि नागरिकों पाकिस्तान से आए आतंकियों ने सिर्फ धर्म पूछ कर उन्हें गोलियों से भून दिया क्यों कि वो हिन्दू थे। उन्होंने शनिवार देर रात यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते, आतंक और बातचीत मुमकिन नहीं है।

ओवैसी ने कहा, 'बीसीसीआई को एक क्रिकेट मैच से कितना पैसा मिलेगा, 2, 000 करोड़ रुपये, 3, 000 करोड़ रुपये? हमें बताएं कि हमारे 26 नागरिकों की जान की कीमत ज्यादा है या पैसे की? भाजपा को हमें (पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने के फैसले पर) इस बारे में बताना चाहिए।' उन्होंने उन्होंने आरोप लगाया, 'यह मैच कैसे हो रहा है? इसे खेला ही नहीं जाना चाहिए।

जब हम सिंधु जल संधि के तहत पानी रोक सकते हैं, तो फिर

कहा कि भाजपा हमेशा 'देश भक्ति' की बात करती है, लेकिन जब क्रिकेट मैचों की बात आती है, तो वह रुख बदल लेती है।

ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम हमेशा पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के साथ खड़ी रही है। हम खेल कैसे सकते हैं। हम भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से पूछना चाहते हैं: उन 26 लोगों की जान की कीमत क्या है? भाजपा और संघ को जान गंवाने वाले लोग नहीं दिख रहे हैं, बस पैसा कमाना है।

आप को बता दें कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान रविवार शाम दुबई में आमने-सामने होंगे। मई में सीमा संघर्ष बढ़ने के बाद से यह दोनों टीम के बीच पहला मैच होगा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को एक आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों के मारे जाने के बाद भारत ने मई में पाकिस्तान में आतंकी ढांचों पर हमले किए थे। एआईएमआईएम प्रमुख ने देश के विभाजन से संबंधित एनसीईआरटी पाठ्यक्रम में बदलाव करने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने कहा, 'मुसलमानों को विभाजन के लिए दोषी ठहराया जा रहा है। हम जिम्मेदार नहीं हैं। सावरकर ने ही सबसे पहले 'दो समुदायों' की बात की थी और विभाजन के नारे दिए थे। माउंटबेटन और तत्कालीन कांग्रेस सरकार विभाजन के लिए जिम्मेदार थे। गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या क्यों की, यह भी एनसीईआरटी से हटा दिया गया।

एशिया कप 2025 : भारत-पाक मैच को लेकर देशभर में विरोध, बीजेपी साथियों के भी तेवर सख्त

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। आज एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर देशभर में भारी विरोध हो रहा है। विपक्षी दल, भाजपा के सहयोगी और आम जनता सोशल मीडिया पर इस मैच का बहिष्कार कर रही है। महाराष्ट्र में शिंदे शिवसेना के नेता संजय निरूपम, पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों ने भी कड़ा विरोध जताया है। शिवसेना-यूबीटी की महिला कार्यकर्ताओं ने मुंबई में सिंदूर के साथ प्रदर्शन किया।

शिंदे शिवसेना के नेता संजय निरूपम ने कहा, 'भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ता बेहद कड़वा है। पाकिस्तान ने हमेशा भारत को नुकसान पहुंचाने वाली विदेश नीति अपनाई है।' उन्होंने पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा, 'पाकिस्तान ने आतंकियों को पाला-पोसा, उन्हें ट्रेनिंग दी और पनाह दी। इन आतंकियों ने भारत के निर्दोष लोगों और शहरों पर हमले किए। पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह का रिश्ता नहीं होना चाहिए।' निरूपम ने खेल, सांस्कृतिक और कूटनीतिक संबंधों पर रोक लगाने की मांग की और कहा, 'बालासाहेब ठाकरे का भी यही मानना था।'

पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री और पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा, 'मैं भारत-पाकिस्तान मैच के साथ-साथ पूरे एशिया कप का बहिष्कार कर रहा हूं। मैं इसे नहीं देख सकता।' उन्होंने कहा, 'लोगों की जिंदगी कोई खेल नहीं है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। पुलवामा, पहलगाम, पठानकोट जैसे कई आतंकी हमलों को कोई भारतीय नहीं भूला सकता।' तिवारी ने शहीदों और मासूमों के परिवारों के दर्द का हवाला देते हुए कहा, 'केवल उनके घरवाले ही इस दर्द को समझ सकते हैं।'

पुणे के संतोष जगदाले, जो

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए थे, उनकी बेटी असावरी जगदाले ने कहा, 'यह मैच नहीं होना चाहिए था। यह बेहद शर्मनाक है। पहलगाम हमले को छह महीने भी नहीं हुए, उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर हुआ, फिर भी यह मैच हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'इन लोगों को परवाह ही नहीं कि कोई मर गया। पैसा देशभक्ति तय करता है, क्या यह सच है?' भावनगर, गुजरात के सावन परमार, जिन्होंने हमले में पिता और भाई खो दिए, ने कहा, 'मैच की खबर सुनकर हम बहुत परेशान हो गए।'

महाराष्ट्र में शिवसेना-यूबीटी की महिला कार्यकर्ताओं ने मुंबई में सिंदूर के साथ भारत-पाक मैच का विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को ऐलान किया था कि महिला कार्यकर्ता महाराष्ट्र की गलियों में विरोध करेंगी। इसके अलावा, पीएम मोदी को महाराष्ट्र के हर घर से सिंदूर भेजने का अभियान चलाया जाएगा।

नेपाल में अस्मिता भंडारी : पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री की दौड़ में अखंड भारत विश्व हिंदू महासंघ की अध्यक्षा पर सबकी निगाहें : रविंद्र आर्य

नेपाल/दिल्ली। अखंड भारत विश्व हिंदू महासंघ की अंतरराष्ट्रीय अध्यक्षा, मातृशक्ति माननीया अस्मिता भंडारी का नाम नेपाल सरकार में पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री के रूप में चर्चा में है। यदि वे यह जिम्मेदारी ग्रहण करती हैं तो यह कदम न केवल भारत-नेपाल संबंधों को नई ऊँचाई देगा बल्कि हिंदू-बौद्ध संस्कृति और सनातन मूल्यों के वैश्विक संदेश को भी और प्रखर बनाएगा।

यह संभावना नेपाल की सांस्कृतिक राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत और हिंदू संस्कृति, राजशाही तथा वैश्विक पुनर्जागरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

थाईलैंड के वर्ल्ड पीस इंस्टिट्यूट (यूनाइटेड नेशन्स) से संबद्ध राजदूत एवं प्रेजिडेंट, वर्ल्ड बुद्धिस्ट फेडरेशन परविंदर सिंह ने कहा–

'यदि अस्मिता भंडारी जैसी महिला, जो देशहित और हिंदू समाज की जागृति के लिए निरंतर सक्रिय रही हैं, नेपाल की प्राथमिकता बनती हैं, तो भारत-थाईलैंड संबंध और भी मजबूत होंगे।'

उन्होंने आगे कहा कि बौद्ध राष्ट्र थाईलैंड के लिए भी यह सकारात्मक समन्वय होगा। वहीं, नेपाल–जो विश्व का एकमात्र हिंदू राष्ट्र है–ने हाल ही में माओवादी और कम्युनिस्ट प्रभाव से बाहर निकलने के लिए भारी संघर्ष और बलिदान दिए हैं।

इस पृष्ठभूमि में अस्मिता भंडारी जैसी परखर नेता नेपाली उाह" पीढ़ी को हिंदू और बौद्ध संस्कृति की ओर प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक

विश्व हिंदू महासंघ ने इस संभावना को 'प्रकृति और ईश्वरीय व्यवस्था का उद्घोष' बताया है। संगठन का मानना है कि यह घटना प्रभु श्रीराम के आदर्शों, ऋषि परंपरा और सनातन संस्कृति के वैश्विक पुनर्जागरण का प्रतीक बनेगी।

मोदी-योगी नेतृत्व का संदर्भ

संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राष्ट्रभक्त नेतृत्व को भी रेखांकित किया।

संगठन के अनुसार, राम मंदिर निर्माण, कश्मीर समाधान और महाकुंभ जैसे महापर्व इनके नेतृत्व में विश्व बंधुत्व, त्याग और अखंडता के प्रतीक बने हैं।

नेपाल की जनभावना और अस्मिता भंडारी

नेपाल की आम जनता लंबे समय से राजशाही और राम आदर्शों पर आधारित व्यवस्था की अपेक्षा रखती है। इस जनजागरण और सत्य-अहिंसा-सौहार्द की भावना में अस्मिता भंडारी को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलना एक ऐतिहासिक कदम माना जाएगा।

भारतवंशियों की प्रतिक्रिया

भारत और प्रवासी भारतीय समाज में भी इस संभावना को उम्मीद की किरण मानते हुए स्वागत किया जा रहा है। विश्व हिन्दू महासंघ के रास्ट्रीय अध्यक्ष श्री कालिका पीठधीश्वर महंत श्री सुरेंद्रनाथ अवधूत ने कहा–

'माननीया अस्मिता भंडारी युवाओं को सत्य पथ और राष्ट्र प्रथम की भावना से मार्गदर्शन देंगी।'

खराब लाइट से कैसे मिले रोशनी

भदोही। सुरियावां क्षेत्र के मेढ़ी मैदान के पास में स्ट्रीट लाइट का हाल खस्ता है।आलम यह है कि स्ट्रीट लाइट लगने के मुस्किल से दस दिन बाद ही जलना बंद हो गया। करीब दो महीनों से यह लाइट बंद है, लेकिन प्रशासन व कार्यदाई संस्था इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। शाम होते ही अंधेरे में पसर जाता है पूरा मैदान। लोगों के शिकायत करने के बावजूद इस लाइट को ठीक नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि बड़ी मुश्किल से सपा अध्यक्ष प्रदीप यादव के प्रयास से विधायक जाहिद बेग की निधि से यह लाईट लगाया गया और क्षेत्र के लोगों ने उन्हें व विधायक को धन्यवाद देते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया गया। लेकिन वही कहावत चरितार्थ हो रही है कि सिर मुड़ाते ही ओले पड़ने लगे। स्थानीय गोविंदा यादव, सत्यम सिंह, राजेश सिंह, रितेश सिंह, अशोक प्रजापति, अभय राज, मनोज, विजय सुरेन्द्र सिंह आदि का कहना है कि इस लाइट का तार खराब हैं या फिर बल्ब इसे ठीक कराने के लिए गंभीरता नहीं दिखाई जाती।

भारतीय कुश्ती को बड़ा झटका अमन सहरावत वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए आयोग्य घोषित

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, पहलवान और ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत ज्यादा वजन होने के कारण जगरेब में चल रही प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। बता दें कि, पिछले साल अमन ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। 2023 में जारी यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार, विश्व कप, यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए दो किग्रा तक ज्यादा वजन तक की मंजूरी है। हालांकि, वर्ल्ड चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे टूर्नामेंटों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

बता दें कि, पेरिस ओलंपिक2024 में विनेश फोगाट को उनके गोल्ड मेडल मुकाबले से पहले महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में ज्यादा वजन होने के कारण प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। तब विनेश फोगाट का वजन 50 किग्रा से कुछ ग्राम ज्यादा था। इस दिल तोड़ने वाली खबर से पूरा देश स्तब्ध था। वहीं भारतीय दल के एक सूत्र ने जगरेब से पीटीआई को बताया कि, ये दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्चजनक है कि अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं रख सका। जब वह वजन मापने के लिए खड़ा हुआ तो उसका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था। ये स्वीकार्य नहीं है। उसका वजन इतना ज्यादा कैसे हो गया ये हमारी समझ से परे है।

'सोचा जरूर पर हुआ नहीं, शुक्र है वरना वर्ल्ड कप मिस हो जाता', शमी ने आत्महत्या के विचारों को किया याद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने स्वीकार किया कि उनके मन में आत्महत्या करने के विचार आ रहे थे, लेकिन उन्होंने इस विचार को खारिज कर दिया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि क्रिकेट ने उन्हें बहुत कुछ दिया है।

रजत शर्मा के साथ आप की अदालत के एपिसोड में अपने विचार प्रकट करते हुए भारतीय स्टार तेज गेंदबाज ने कहा, 'सोचा जरूर पर हुआ नहीं, ये शुक्र है वरना वर्ल्ड कप मिस हो जाता मेरे से क्योंकि जब सोचा था कि मेरे दिमाग में ये समय है जिंदगी के अंत का, जिस चीज के लिए मुझे इतना नाम दिया, जिस चीज के लिए मीडिया मेरे पीछे है, उसको छोड़ के इस जंप के चक्कर में...वो सोचा, वो प्यार याद आया। सोचा चलो इसको छोड़ा, चलो गेम में लगते हैं फिर...'

इस साल जुलाई में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शमी को अपनी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां और बेटी को भरण-पोषण के रूप में 4 लाख रुपए मासिक गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था। जहां को 1.50 लाख रुपए प्रति माह देने होंगे जबकि बेटी को 2.50 लाख रुपए प्रति माह मिलेंगे। पूर्व मॉडल हसीन जहां ने 2014 में मोहम्मद शमी से शादी की थी। इस जोड़े को 2015 में एक बेटी हुई। मोहम्मद शमी और हसीन जहां 2018 में अलग हो गए थे जब उन्होंने उन पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था।

घरेलू हिंसा के आरोप के बाद सोशल मीडिया पर उनके बारे में कही गई अपमानजनक बातों के बारे में पूछे जाने पर शमी ने जवाब दिया, 'बुरी बातें कही जाती हैं, लेकिन आजकल उन बातों के बारे में भी बात की जाती है जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है... मुझे सबसे ज़्यादा इसी से डर लगता है। कल मैं एक तस्वीर देख रही था और मुझे पता ही नहीं चला कि मैंने उसे कब खींच लिया था। पिछले 6-7 सालों में मुझ पर जितने आरोप लगे हैं, शायद किसी आतंकवादी पर भी इतने आरोप न लगे हों। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकती।'

हसीन जहां ने 2018 में क्रिकेटर पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। उन्होंने अलीपुर कोर्ट में एक याचिका दायर कर शमी और उनके परिवार पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। जहां ने परिवार के भरण-पोषण के लिए तेज गेंदबाज से 7 लाख रुपए प्रति माह की मांग की थी। शमी ने आखिरी बार 2 मई को इंडियन प्रीमियर लीग (छ्न्थ्) में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक प्रतिस्पर्धी मैच खेला था। वह मैच इस तेज गेंदबाज के लिए यादगार नहीं रहा था, क्योंकि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था और उन्होंने तीन ओवरों में 48 रन दिए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी अभियान में शमी जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई कर रहे थे। वह भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 5 मैचों में 9 विकेट लिए, उनके साथ मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी थे जिन्होंने सिर्फ तीन मैचों में इतने ही विकेट लिए। शमी के प्रयासों की बदौलत भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता। उन्होंने भारत के लिए आखिरी टेस्ट क्रिकेट 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड में खेला था। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शमी को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जाता है या नहीं।

अडानी पावर बिहार में बिजली परियोजना के लिए तीन अरब डॉलर का निवेश करेगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अडानी पावर बिहार में तीन अरब डॉलर (करीब 26, 482 करोड़ रुपए) के निवेश से 2, 400 मेगावाट का अत्याधुनिक बिजली संयंत्र स्थापित करेगी। अडानी समूह की कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के विद्युत आपूर्ति समझौते (पीएसए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत राज्य के भागलपुर जिले के पीरपैंती में स्थापित होने वाली परियोजना से बिजली की आपूर्ति की जाएगी। यह पीपीए, अगस्त में उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) की ओर से बीएसपीजीसीएल द्वारा अडानी पावर को जारी किए गए स्वीकृति पत्र के अतिरिक्त है।

अडानी पावर ने 6.075 रुपए प्रति किलोवाट घंटा की न्यूनतम आपूर्ति दर की पेशकश करके यह परियोजना हासिल की। कंपनी ने कहा कि वह नए संयंत्र और उससे संबंधित अवसंरचना के निर्माण के लिए लगभग तीन अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। यह परियोजना डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, स्वामित्व और संचालन मॉडल के तहत विकसित की जाएगी। कंपनी का लक्ष्य है कि संयंत्र को 60 महीनों के भीतर चालू कर दिया जाए।

विद्युत संयंत्र के लिए कोयला लिंकेज भारत सरकार की शक्ति नीति के अंतर्गत आवंटित किया गया है। इस परियोजना से निर्माण चरण के दौरान 10, 000-12, 000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा तथा परिचालन शुरू होने पर 3, 000 लोगों के लिए रोजगार सृजित होगा।

जीएसटी सुधारों का लाभ दिन की शुरुआत से रात को सोने जाने तक सभी उत्पादों पर मिलेगा : सीतारमण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक बड़ी जीत है। सीतारमण ने रविवार को चेन्नई में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के प्रत्येक राज्य के अपने त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दीपावली से पहले जीएसटी सुधारों को लागू करने के निर्देश से बहुत पहले ही इन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया है।

चेन्नई सिटीजन्स फोरम द्वारा आयोजित 'उभरते भारत के लिए कर सुधार' कार्यक्रम में अपने संबोधन में सीतारमण ने कहा कि माल एवं सेवा कर का लाभकारी प्रभाव सुबह की शुरुआत से लेकर रात के सोने तक सभी उत्पादों पर रहेगा। कुछ प्रमुख पहल का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि जिन 99 प्रतिशत वस्तुओं पर पहले जीएसटी के तहत 12 प्रतिशत कर लगता था, अब उनपर सिर्फ पांच प्रतिशत कर लगेगा। नए जीएसटी सुधार (2.0) 22 सितंबर से लागू होंगे।

कार्तिकेयन के चार और और सारांश के तीन विकेट सेंट्रल जोन का दलीप ट्रॉफी चैंपियन बनना तय

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कुमार कार्तिकेयन (चार विकेट) और सारांश जैन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत सेंट्रल जोन ने रविवार को दलीप ट्रॉफी मुकाबले के चौथे दिन साउथ जोन को 426 के स्कोर पर समेट दिया। सेंट्रल जोन को अब जीत के लिए 65 रन बनाने है तथा अभी एक दिन का खेल शेष है। साउथ जोन ने कल के दो विकेट पर 192 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज साउथ जोन ने कल के स्कोर में महज 30 रन जोड़कर अपने चार विकेट गंवा दिए। साउथ जोन का तीसरा विकेट रिकी भुई (45) के रूप में गिरा। उन्हें दीपक चाहर ने एस शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन (27) को कुमार कार्तिकेय ने अपना शिकार बना लिया। सलमान निजार (12) और आर स्मरण (47) भी कार्तिकेयन का शिकार बने।

222 के स्कोर पर छह विकेट गंवा चुकी हार की डगर पर खड़ी साउथ जोन को अंकित शर्मा और सी आंद्रे सिद्धार्थ की जोड़ी ने संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 330 गेंदों में 192 रनों की साझेदारी हुई। कार्तिकेयन ने शतक की ओर बढ़ रहे अंकित शर्मा को आर पाटीदार के साथ हाथों कैच आउट कराकर सेंट्रल जोन को बड़ी सफलता दिलाई। अंकित शर्मा ने 168 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 99 रन बनाए। वह महज एक रन से शतक से चूक गए।

गुरजपनीत सिंह (नाबाद तीन) को सारांश जैन ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय सेंट्रल जोन ने साउथ जोन को 426 के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि उसे 64 रनों की बढ़त हासिल हुई। सेंट्रल जोन को जीत के लिए 65 रन बनाने हैं और अभी एक दिन का खेल शेष है। ऐसे में सेट्रल जोन का चैंपियन बनना तय है। सी आंद्रे सिद्धार्थ 84 रन बनाकर नाबाद रहे। सेंट्रल जोन की ओर से कुमार कार्तिकेयन ने चार विकेट लिए। सारांश जैन को तीन विकेट मिले। कुलदीप सेन और दीपक चाहर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

फ्लिपकार्ट इंडिया का घाटा वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 5, 189 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का एकीकृत घाटा वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में बढ़कर 5, 189 करोड़ रुपये हो गया।

कारोबार खूफिया मंच टॉफलर द्वारा प्राप्त आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। वित्तीय स्थिति पर टिप्पणी के लिए फ्लिपकार्ट को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। इससे पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में फ्लिपकार्ट इंडिया का घाटा 4, 248.3 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन से एकीकृत आय में 17.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 70, 541.9 करोड़ रुपये से बढ़कर 82, 787.3 करोड़ रुपये हो गई।

टॉफलर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी का कुल व्यय 17.4 प्रतिशत बढ़कर 88, 121.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की वित्तीय लागत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 57 प्रतिशत बढ़कर लगभग 454 करोड़ रुपये हो गई।

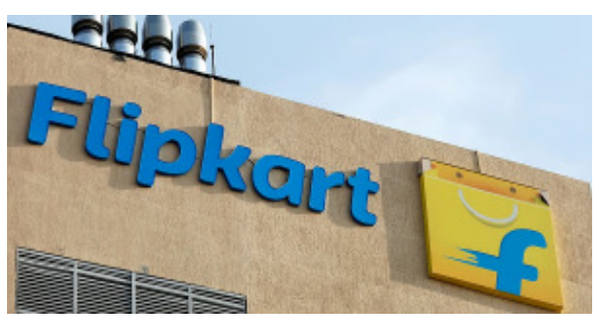

भारतीय टीम पाकिस्तान से कहीं बेहतर है, एशिया कप 2025 मुकाबले से पहले कोहली के बचपन के कोच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत रविवार को दुबई में एशिया कप के ग्रुप ए मुकाबले में पाकिस्तान से भिड़ने के लिए तैयार है। के कोच राजकुमार शर्मा ने टीम इंडिया के विजयी होने का वादा किया है। शर्मा ने कहा, 'भारतीय टीम पाकिस्तानी टीम से कहीं बेहतर है। मुझे यकीन है कि भारतीय टीम यह मैच जीतेगी। भारतीय टीम बहुत संतुलित है और मैं टीम को अपनी शुभकामनाएं देता हूं।' दोनों टीमें अपने-अपने शुरुआती मैचों में शानदार जीत के बाद इस मुकाबले में उतर रही हैं। भारत ने अपने पहले मैच में मेजबान संयुक्त अरब अमीरात पर 9 विकेट से जीत दर्ज की थी, जबकि पाकिस्तान ने ओमान को 93 रनों से आसानी से हराया था।

यह नतीजा रविवार के मुकाबले को सुपर 4 की दौड़ में अहम बनाता है। यहां जीत न केवल गर्व का विषय बनती है, बल्कि शुरुआती क्वालीफिकेशन की संभावनाओं को भी मजबूत करती है। वर्तमान में दुनिया की नंबर 1 पुरुष टी20आई क्रिकेट टीम भारत मौजूदा विश्व और महाद्वीपीय चैंपियन है। वे आठ खिताबों के साथ एशिया कप के इतिहास में सबसे सफल टीम भी हैं। सूर्यकुमार यादव संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं, जबकि शुभमन गिल उनके उप-कप्तान होंगे। इस टीम में फॉर्म में चल रहे युवा अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा, इंडियन प्रीमियर लीग के स्टार रिंकू सिंह और जितेश शर्मा, और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली एक मजबूत गेंदबाजी इकाई भी शामिल है।

टी20आई रैंकिंग में सातवें स्थान पर पाकिस्तान क्रिकेट टीम पहले भी दो बार एशिया कप जीत चुकी है और सलमान अली आगा की कप्तानी में तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर रखा गया है, लेकिन पाकिस्तानी टीम में अभी भी फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज और शाहीन शाह अफरीदी जैसे खिलाड़ियों के साथ हर क्षेत्र में काफी दमखम है।

भारत बनाम पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता टी20आई प्रारूप में 13 बार खेली गई है जिसमें भारत 9-3 से आगे है। पाकिस्तान की तीन जीत में से एक दुबई में 2022 एशिया कप में आई थी। भारत ने 2024 टी20 विश्व कप में पिछली बार जब दोनों टीमें मिली थीं तो न्यूयॉर्क में पाकिस्तान को 6 रनों से हराया था। बुमराह ने एक जादुई स्पेल डालकर मैच का रुख पलट दिया था, जब पाकिस्तान जीत का स्पष्ट दावेदार लग रहा था। एशिया कप के मंच पर भारत और पाकिस्तान एकदिवसीय और टी20घदोनों प्रारूपों में 19 बार भिड़ चुके हैं। भारत ने 10 जीते हैं, पाकिस्तान ने छह और तीन मैच रद्द हो गए थे।

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में 9 लाख लगाएं और पाएं 13 लाख

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आपके पास कोई एकमुश्त रकम है और आप उसे किसी सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न वाली स्कीम में निवेश करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) स्कीम आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह सरकार समर्थित छोटी बचत योजना है जिस पर सरकार हर तीन महीने में ब्याज दर तय करती है।

एनएससी में कोई भी भारतीय नागरिक अपना खाता खुलवा सकता है। आप इसमें सिंगल या जॉइंट अकाउंट (अधिकतम 3 वयस्क) खोल सकते हैं। नाबालिग के लिए अभिभावक भी खाता खुलवा सकते हैं। इस स्कीम में आप कितने भी खाते खोल सकते हैं।

इस स्कीम में आप कम से कम ?1, 000 का निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। एनएससी में निवेश की गई रकम पर धारा 80ण के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है। जरूरत पड़ने पर आप इस सर्टिफिकेट को बैंकों में गिरवी रखकर लोन भी ले सकते हैं।

वर्तमान में पोस्ट ऑफिस एण पर 7.7इ की सालाना चक्रवृद्धि ब्याज दर मिल रही है। इसकी मैच्योरिटी अवधि 5 साल है। अगर आप इस स्कीम में एकमुश्त ?9, 00, 000 का निवेश करते हैं तो 5 साल बाद मैच्योरिटी पर आपको ?13, 04, 130 मिलेंगे। इस तरह आपकी कुल ब्याज आय ?4, 04, 130 होगी।

'देवों के देव महादेव' की एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया के घर जल्द गूंजेगी किलकारियां

अभिनेत्री समुद्र किनारे क्यूट बेबी बंप को फ्लॉन्ट करती नजर आई

'देवों के देव महादेव' शो में पार्वती किरदार से मशहूर हुईं एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया और उनके पति विकास पाराशर ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के बीच गुड न्यूज शेयर की है। जल्द ही कपल के घर में गूंजेगी किलकारियां। एक्ट्रेस भी मातृत्व के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह खुशखबरी साझा की। अपने मैटरनिटी फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करते हुए सोनारिका ने कैप्शन में लिखा, 'हमारा अब तक का सबसे बड़ा एडवेंचर।' तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना क्यूट बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। फोटोज को देखकर ऐसा लग रहा है कि एक्ट्रेस अपनी प्रग्नेंसी की दूसरी तिमाही में हैं। तस्वीरों में सोनारिका वाइट लेस वाली आउटफिट पहने अपने पति के साथ समुद्र किनारे खूबसूरत दृश्य के सामने पोज़ देती नजर आ रही हैं।

सोनारिका और विकास अपनी खुशखबरी का इज़हार करते हुए हाथों में हाथ डाले और रोमांटिक पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। आपको बता दें कि सोनारिका भदौरिया ने फरवरी 2024 में बिजनेसमैन विकास पाराशर से शादी की थी। यह बच्चा इस कपल का पहला बच्चा होगा। विकास और सोनारिका लंबे समय से एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे। इस कपल ने अपने करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में एक निजी शादी का फैसला किया था। वहीं शादी के बाद सोनारिका ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ब्रेक लिया और टीवी प्रोजेक्ट्स भी दूर रहीं।

सोनारिका ने साल 2011 में 'तुम देना साथ मेरा' शो से टेलीविजन पर शुरुआत की थी। लेकिन 'देवों के देव... महादेव' शो में देवी पार्वती के किरदार ने उन्हें अपार लोकप्रियता दिलाई और उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। एक्ट्रेस के चेहरे की मासूमियत और सॉफ्ट हार्ट ने दर्शकों को देवी पार्वती के किरदार में तुरंत अपना दीवाना बना दिया। एक्ट्रेस को जादूगाडु और ईदो रकम आदो रकम जैसी तेलुगु फिल्मों में भी देखा गया था। फिल्मों में काम करने के बाद अभिनेत्री ने पृथ्वी वल्लभ, दास्तान-ए-मोहब्बत सलीम अनारकली और इश्क में मरजावां से टेलीविजन शो पर वापसी की।

पवन सिंह विवाद के बाद एक्ट्रेस अंजलि राघव ने की अनिरुद्धाचार्य से मुलाकात, कथावाचक से पूछा सवाल

हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव पिछले काफी समय से चर्चा में बनी हुई हैं। भोजपुरी सिंगर और अभिनेता पवन सिंह के साथ उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसमें वह अभिनेत्री की कमर को स्टेज पर सभी लोगों के सामने टच करते हुए नजर आए थे। जैसे ही उनका यह वीडियो वायरल हुआ, लोगों ने दोनों को ट्रोल करना शुरू कर दिया। इसके बाद अंजलि ने लाइव आकर पावर स्टार पर कई आरोप लगाए।

हालांकि, बाद में वह मुद्दा सुलझ गया था, क्योंकि पवन सिंह ने भी अंजलि राघव से माफी मांग ली थी, लेकिन इस विवाद के बीच अब अभिनेत्री का एक नया वीडियो सामने आया है। दरअसल, एक्ट्रेस ने हाल ही में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के आश्रम जाकर उनसे मुलाकात की और सवाल भी किया। इस पर अनिरुद्धाचार्य ने जो जवाब दिया वह अब काफी वायरल हो रहा है। चलिए जानते हैं कि दोनों के बीच क्या बातचीत हुई।

सोशल मीडिया पर अंजलि राघव और अनिरुद्धाचार्य की बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। उसमें एक्ट्रेस ने कहा, 'काफी लोग चाहने वाले भी हैं, लेकिन कई बार क्या होता है कि काफी जलने वाले लोग कई मीम्स मार्केटिंग करवाते हैं, जो विरोध में होते हैं। मीम्स बनवाते हैं, अलग-अलग कुछ लिखकर डाल देते हैं। ऐसे में मेरा सवाल ये था कि उन्हें मुड़कर जवाब देना चाहिए या फिर इग्नोर कर देना चाहिए।'

इसवे) बाद कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने जवाब देते हुए कहा, 'एक कहावत याद कर लो, हाथी चला बाजार कुत्ते लगे हजार। हाथी अपनी मस्ती से जब चलता है न तो कुत्ते भोंकते ही हैं, इसलिए कुत्तों को क्या जवाब देना। कुत्तों को जवाब देने की जरुरत नहीं है।' अब उनका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी देखा जा रहा है।

पवन सिंह के साथ कंट्रोवर्सी होने के बाद अंजलि राघव ने इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन बाद में जब भोजपुरी स्टार ने माफी मांगी, तो एक्ट्रेस ने उन्हें माफ कर दिया। इस मामले में आम्रपाली दुबे ने भी रिएक्ट किया था। उन्होंने पवन सिंह और अंजलि राघव के वीडियो पर क्या कहा, उसे पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

चिराग का साथ रहा तो अमरपुर में बड़ी जीत दर्ज कर सकते हैं जयंत राज कुशवाहा

पटना **(एजेंसी)**। अमरपुर विधानसभा सीट बांका जिले में स्थित है...अमरपुर विधानसभा क्षेत्र बांका लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह सीट साल 1951 से ही अस्तित्व में है। इस सीट पर पहली बार साल 1951 में विधानसभा के चुनाव हुए और कांग्रेसी कैंडिडेट पशुपति सिंह चुनाव जीते थे। 1957 और 1962 में भी इस सीट पर कांग्रेस का ही कब्जा रहा और शीतल प्रसाद भगत चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। 1967 में एस.एन. सिंह और 1969 में सुख नारायण सिंह संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गए थे। साल 1972 में भारतीय जन संघ के कैंडिडेट जनार्दन यादव विधायक बने थे।

इसके बाद 1977 में भी जनार्दन यादव ही अमरपुर से विधायक चुने गए थे, लेकिन इस बार वे जनता पार्टी के तरफ से चुनावी मैदान में थे। इसके बाद 1980 और 1985 में कांग्रेस कैंडिडेट नील मोहन सिंह विधायक चुने गए

थे। 1990 में इस सीट पर निर्दलीय माधो मंडल चुनाव जीते थे। 1995 से 2005 तक इस सीट पर आरजेडी का कब्जा रहा और सुरेंद्र प्रसाद सिंह लगातार तीन बार अमरपुर से विधायक चुने गए थे। 2010 और 2015 में जेडीयू कैंडिडेट जनार्दन मांझी लगातार दो बार विधायक चुने गए। 2020 में यहां से जेडीयू कैंडिडटे जयंत राज ने जीत हासिल की थी। जयंत राज प्रभावशाली कोइरी लीडर हैं। साथ ही में वे बिहार सरकार में मंत्री भी हैं, इसलिए अमरपुर में उनकी दावेदारी इस बार भी पक्की लग रही है।

वहीं 2020 के चुनाव में अमरपुर सीट पर जेडीयू कैंडिडेट जयंत राज ने जीत हासिल की थी। जयंत राज को 54 हजार तीन सौ आठ वोट मिला था तो कांग्रेस कैंडिडेट जितेंद्र सिंह 51 हजार एक सौ 94 वोट लाकर दूसरे स्थान पर रहे थे। इस तरह से जयंत राज ने जितेंद्र सिंह को महज तीन हजार एक सौ 14 वोट के कम अंतर से हरा दिया। वहीं एलजेपी कैंडिडेट मृणाल शेखर 40 हजार तीन सौ आठ वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे।

वहीं 2015 के विधानसभा चुनाव में अमरपुर सीट पर जेडीयू कैंडिडेट जनार्दन मांझी ने जीत हासिल की थी। जनार्दन मांझी ने बीजेपी कैंडिडेट मृणाल शेखर को 11 हजार सात सौ 69 वोटों से हराया था। जनार्दन मांझी को कुल 73 हजार सात सौ सात वोट मिले थे, जबकि दूसरे नंबर पर रहे मृणाल शेखर को कुल 61 हजार नौ सौ 34 वोट मिले थे तो वहीं 6 हजार आठ सौ 18 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

महागठबंधन के पास एनडीए की चट्टानी एकता का कोई तोड़ नहीं, उमेश कुशवाहा का हमला

बोले- सीएम नीतीश की नीति का कोई मुकाबला नहीं

पटना **(एजेंसी)**। बिहार जनता दल यूनाईटेड अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शनिवार को कहा कि स्वार्थ की बुनियाद पर खडे महागठबंधन के पास राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की चट्टानी एकता का कोई तोड़ नहीं है।

कुशवाहा ने रोहतास जिले के दिनारा विधानसभा में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि स्वार्थ की बुनियाद पर खडे महागठबंधन के पास एनडीए की चट्टानी एकता का कोई तोड़ नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्तरीय एनडीए सम्मेलनों में ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे पांचों घटक दलों के कार्यकर्ताओं का उमड़ता सैलाब इस बात का स्पष्ट द्योतक है कि आगामी चुनाव में विपक्ष की पूरी तरह से सफाया होना तय है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने एनडीए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि विकसित बिहार के निर्माण के संकल्प को साकार करने और भावी पीढ़ियों के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए 2025 में 225 का लक्ष्य प्राप्त कर नरेन्द्र मोदी-नीतीश कुमार की जोड़ी को मजबूती दें। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद से नीतीश कुमार ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और विकासोन्मुख नीतियों के माध्यम से बिहार को एक नए स्वरूप में संवारा है।

उमेश सिंह कुशवाहा ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें गरीबी के बाहर निकालने में कारगर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि 125 यूनिट तक की मुफ्त बिजली योजना गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के जीवन यापन में सहूलियत प्रदान कर रही है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने आह्वान किया कि एनडीए के सभी कार्यकर्ता पूरी एकजुटता से बूथ स्तर पर सघन अभियान चलाकर नीतीश सरकार की उपलब्धियों को हर मतदाता तक सही और सटीक रूप में पहुंचाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नीतीश कुमार की नीति का कोई मुकाबला नहीं है और उनकी नीयत में कोई खोट नहीं है।

15 सीटें नहीं मिली तो अकेले 100 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

सीट शेयरिंग से पहले जीतन राम मांझी का बड़ा बयान

पटना **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रविवार को कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव उनके हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के लिए 'करो या मरो' की स्थिति पेश करते हैं। अपने लोकसभा क्षेत्र गया में पत्रकारों से बात करते हुए, मांझी ने खुलासा किया कि एक दशक की स्थापना के बाद भी हम को 'मान्यता प्राप्त पार्टी' का दर्जा न मिलने से वह 'अपमानित' महसूस करते हैं। जीतन राम मांझी ने कहा, 'मान्यता प्राप्त पार्टी का दर्जा पाने के लिए, मेरी पार्टी को विधानसभा में कम से कम आठ सीटें जीतनी होंगी। या, हमें कुल वोटों का छह प्रतिशत वोट मिलना चाहिए।' मांझी ने कहा, 'हम इस लक्ष्य को दो तरीकों से हासिल कर सकते हैं। हम एनडीए के घटक दल के रूप में कम से कम 15 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं और 50 प्रतिशत से कम की स्ट्राइक रेट के साथ भी, अपेक्षित संख्या में सीटें जीत सकते हैं। दूसरा तरीका 50-100 सीटों पर उम्मीदवार उतारना है। फिर हम इन सभी पर लगभग 10, 000 वोट हासिल कर सकते हैं और आवश्यक वोट शेयर हासिल कर सकते हैं।' उन्होने कहा कि अगर, हमें 15 से 20 सीट नहीं दी गई,

तब फिर हम अकेले 50 से 100 सीट पर चुनाव लड़ेंगे।

हाल ही में दिल्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में, मांझी ने यह कहकर खलबली मचा दी थी कि हम 'सभी 243 सीटों' पर चुनाव लड़ सकती है। हालांकि, जब पत्रकारों ने उनसे अपने देश में सवाल पूछे तो उन्होंने अपनी बात से पलटते हुए स्पष्ट किया कि यह एक बयानबाजी थी जिसका सहारा उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के लिए लिया था। मांझी ने 2015 में पार्टी का गठन किया था जब उन्होंने नीतीश कुमार द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के दबाव के विरोध में जेडीयू को विभाजित कर दिया था ताकि उनकी वापसी हो सके।

जिनकी रगों में सिंदूर दौड़ रहा है, वही मैच करा रहे

भारत-पाक मैच पर तेजस्वी यादव का पीएम मोदी पर तंज

पटना **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 में आज होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की रगों में सिंदूर दौड़ रहा था, वही लोग इस मैच को आयोजित करा रहे हैं।

पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, तेजस्वी यादव ने कहा, 'प्रधानमंत्री कहते थे कि उनकी रगों में सिंदूर दौड़ता है, उन्हें ही इस

सवाल का जवाब देना चाहिए।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान, भारतीय जनता पार्टी का 'साझेदार' है, क्योंकि दोनों के रिश्ते अपनी सुविधा के अनुसार बदलते रहते हैं।

तेजस्वी ने आगे कहा कि कभी युद्ध विराम होता है, तो कभी भारत-पाकिस्तान के बीच मैच होता है, और कभी खून और पानी के रिश्ते खत्म होने की बात कही जाती है। उन्होंने इन विरोधाभासों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन सब का जवाब प्रधानमंत्री मोदी को देना चाहिए।

तेजस्वी का यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहला क्रिकेट मैच है, जिसे लेकर देश में राजनीतिक और सामाजिक बहस छिड़ी हुई है।

केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

पूरे इलाके में दहशत, मौके पर पहुंचीं 15 दमकल

अहमदाबाद **(एजेंसी)**। गुजरात के भरूच जिले में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में रविवार सुबह भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भयानक थी कि इसकी लपटें दूर से देखी जा सकती थीं और चारों तरफ घना काला धुआं फैल गया। यह घटना भरूच जिले के पानौली जीआईडीसी इलाके में स्थित संघवी ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड नामक केमिकल फैक्ट्री में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग सुबह करीब 8 बजे लगी। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, यह आग किसी रासायनिक प्रतिक्रिया या शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है।

आग लगने की खबर मिलते ही, स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और तुरंत 15 से ज्यादा दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी आग बुझाने में पूरी ताकत लगा रहे हैं, लेकिन फैक्ट्री में मौजूद रसायनों के कारण आग पर काबू पाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो रहा है।

आग के कारण फैल रहे जहरीले धुएं से आसपास के गांवों और औद्योगिक क्षेत्र में दहशत फैल गई। एहतियात के तौर पर, प्रशासन ने आसपास के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। राहत की बात यह है कि इस हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मौके पर पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है, जो इस आग से होने वाले पर्यावरणीय प्रभावों की जांच कर रही है। आग के कारणों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया जा सकता है।

इजरायल पर खाड़ी देशों का पलटवार : कतर हमले के बाद सऊदी- यूएई हुए एकजुट, 'इस्लामिक नाटो' बनाने को तैयार!

तेल अवीव **(एजेंसी)**। कतर की राजधानी दोहा पर इजरायल के हालिया हमले ने पूरे अरब जगत को झकझोर दिया है। इस हमले को लेकर सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, ओमान और कुवैत जैसे खाड़ी देशों ने कड़ी नाराज़गी जताई है। अब इन देशों में विचार हो रहा है कि वे एकजुट होकर इजरायल को कड़ा जवाब दें । चाहे वह कूटनीतिक, सैन्य या आर्थिक मोर्चे पर क्यों न हो। कई विशेषज्ञ इसे 'इस्लामिक नाटो' जैसे गठबंधन की दिशा में पहला कदम मान रहे हैं।

जून 2025 में ईरान ने कतर स्थित अमेरिकी बेस को निशाना बनाया था। सितंबर में इजरायल ने दोहा में हमास के राजनीतिक ठिकानों पर हमला कर दिया। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा- 'यह सिर्फ कतर पर नहीं, पूरे अरब पर हमला है। जवाब सामूहिक होगा।' दोहा में होने वाले अरब और इस्लामी शिखर सम्मेलन में इस पर बड़ा फैसला संभव है।

सऊदी अरब ने कहा कि यह हमला अस्वीकार्य है। यूएई राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद 24 घंटे के भीतर दोहा पहुँचे और तुरंत कूटनीतिक हलचल शुरू कर दी। विशेषज्ञ मानते हैं कि खाड़ी देश अब ऐसे कदम उठाना चाहते हैं जिससे 'भविष्य में इजरायली हमलों की संभावना ही खत्म हो जाए।' कुवैत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बदर अल-सैफ ने कहा -'अगर हम अब एकजुट नहीं हुए तो अगला निशाना अन्य खाड़ी देश होंगे।'

यूएई अब्राहम समझौते में अपनी भागीदारी घटा सकता है, जिसके तहत इजरायल और अरब देशों के बीच रिश्ते सामान्य हुए थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कतर पहले ही इजरायली हमलों की निंदा का सर्वसम्मत प्रस्ताव पास करवा चुका है। कतर यह भी सोच रहा है कि वह अमेरिका और उसके विरोधियों के बीच मध्यस्थ की भूमिका से हट जाए।

खाड़ी देशों के बीच पहले से

ही पारस्परिक रक्षा संधि है। 1980 के दशक का प्रायद्वीप ढाल बल समझौता अब सक्रिय किया जा सकता है। वायु और मिसाइल डिफेंस सिस्टम को एकीकृत करने की तैयारी पर विचार हो रहा है। अधिकांश खाड़ी देश अमेरिकी हथियारों पर निर्भर हैं, लेकिन अब वे अपनी रक्षा क्षमता में विविधता लाने की कोशिश कर सकते हैं।

सऊदी अरब, कतर, कुवैत और यूएई के पास खरबों डॉलर के संप्रभु धन कोष हैं। इनका इस्तेमाल इजरायल की सप्लाई चेन और अर्थव्यवस्था को चोट पहुँचाने के लिए किया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अरब देश उन कंपनियों का बहिष्कार कर सकते हैं, जिनकी इजरायल की अर्थव्यवस्था में बड़ी हिस्सेदारी है। यह संदेश भी दिया जा सकता है कि 'अगर हम असुरक्षित हैं और इसका कारण इजरायल है, तो हमारा पैसा कहीं और जाएगा।'

भारत के बाद अब चीन के पीछे पड़े डोनाल्ड ट्रंप, नाटो को चेताया तो ड्रैगन का जवाब आया

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो सहयोगियों पर रूस से तेल खरीदने के लिए नए टैरिफ लगाने की धमकी के बाद, चीन ने वाशिंगटन को कड़ा संदेश दिया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने स्लोवेनिया में कहा कि बीजिंग न तो युद्ध की साजिश रचता है और न ही उसमें हिस्सा लेता है, और यह भी चेतावनी दी कि प्रतिबंध केवल संघर्षों को और जटिल बनाते हैं। ट्रंप ने नाटो सदस्यों को लिखे एक पत्र में रूसी ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते सभी नाटो देश ऐसा करने पर सहमत हों और रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। ट्रंप ने इन खरीदों को 'चौंकाने वाला' बताया और कहा कि नाटो देश ऐसा करके रूस के साथ अपनी सौदेबाजी की शक्ति को कमजोर कर रहे हैं।

अमेरिका पहले ही भारत पर रूसी कच्चे तेल के आयात के लिए भारी शुल्क लगा चुका है। अब ट्रंप का प्रशासन चीन पर भी इसी तरह

के दंड लगाने पर जोर दे रहा है, जिसे रूस के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक 'जीवन रेखा' माना जाता है। अमेरिकी अधिकारी 37 देशों (कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और ब्रिटेन) पर भी भारत और चीन को लक्षित करने वाले शुल्कों का समर्थन करने के लिए दबाव बना रहे हैं। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि पुतिन की युद्ध मशीन को रोकने के लिए एक एकीकृत प्रयास की आवश्यकता है।

चीन ने रूस के साथ अपने घनिष्ठ संबंध बनाए रखते हुए टकराव से बचने की अपनी स्थिति को दोहराया है। विदेश मंत्री वांग यी ने हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत के दौरान भी यही रुख अपनाया था। स्लोवेनिया में उनकी टिप्पणियों ने वाशिंगटन की प्रतिबंध-आधारित नीति का सीधा विरोध किया।

ट्रंप ने इस युद्ध की जिम्मेदारी बाइडेन प्रशासन पर डाली है, यह कहते हुए कि अगर वह राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध कभी शुरू नहीं होता। उन्होंने यह भी दावा किया कि सामूहिक प्रतिबंध और रूसी तेल की खरीद बंद करने से युद्ध जल्दी खत्म होगा और हजारों जानें बचेंगी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि नाटो एकता के बिना, यह सब केवल समय और संसाधनों की बर्बादी है।

ट्रंप की धमकियों के बावजूद, उन्होंने अभी तक मास्को पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया है, जिससे यूक्रेनी अधिकारी निराश हैं। इस बीच, रूस ने यूक्रेन पर युद्ध शुरू होने के बाद से अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। ट्रंप के बयान से यह सवाल उठ रहा है कि वह कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं और अपने सहयोगियों से कितनी एकता हासिल कर सकते हैं।

यूएस में गवर्नर एबॉट का सख्त ऐलान

टेक्सास में शरिया कानून किया बैन सोशल मीडिया वीडियो से शुरू हुआ विवाद

टेक्सास **(एजेंसी)**। अमेरिका में टेक्सास राज्य के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने ऐलान किया है कि उनके प्रांत में शरिया कानून लागू करने पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन 'शरिया अनुपालन' थोपने की कोशिश करे तो तुरंत पुलिस या टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी को सूचना दें।हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें ह्यूस्टन का एक मुस्लिम धर्मगुरु दुकानदारों से शराब, सूअर का मांस और लॉटरी टिकट न बेचने की अपील करता दिख रहा है। गवर्नर एबॉट ने इस घटना को 'उत्पीड़न' बताया और कहा कि टेक्सास में सार्वजनिक जीवन में किसी भी धार्मिक कानून को थोपने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एबॉट ने 'एक्स' पर लिखा- ड'मैंने टेक्सास में शरिया कानून और शरिया कानूनी प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। किसी भी व्यवसाय या व्यक्ति को ऐसे मूर्खों से डरना नहीं चाहिए।' उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई शरिया थोपने की कोशिश करता है, तो तुरंत स्थानीय अधिकारियों को सूचित किया जाए टेक्सास में पहले से कोई 'औपचारिक शरिया बैन' नहीं है। लेकिन 2017 में अमेरिकी कानून पारित किया गया था, जो अदालतों को किसी भी विदेशी या धार्मिक संहिता को लागू करने से रोकता है, अगर वह अमेरिकी कानून से टकराती है। इसी आधार पर शरिया कानून को भी लागू नहीं किया जा सकता।

मुस्लिम पैरोकार संगठन काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस ने एबॉट की टिप्पणियों को भ्रामक बताया।

नेपाल में सुशीला कार्की की नियुक्ति से चीन खुश, आधिकारिक तौर पर दी बधाई, कहा-और गहरी होगी पुरानी दोस्ती

बीजिंग **(एजेंसी)**। नेपाल की नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को चीन ने आधिकारिक तौर पर बधाई दी है। चीन के विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि नेपाल और चीन के बीच पुरानी और गहरी मित्रता है और बीजिंग हमेशा काठमांडू के फैसलों का सम्मान करता है। 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने बीते शुक्रवार को शपथ ली थी। इससे पहले नेपाल में एक हफ्ते तक हिंसक विरोध-प्रदर्शन चले थे, जिनके बाद उन्हें अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर नियुक्त किया गया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 'चीन, मैडम सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देता है। चीन और नेपाल के बीच पुरानी मित्रता है और हम नेपाल के लोगों के फैसले का सम्मान करते हैं।' प्रवक्ता ने यह भी जोड़ा कि चीन नेपाल के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों पर काम करने, विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ाने तथा द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने के लिए तैयार है।

यूक्रेन ने रूस की शीर्ष तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया

कीव **(एजेंसी)**। यूक्रेन ने बीती रात रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर भीषण ड्रोन हमला किया, जिससे आग लग गई। रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित किरिशी रिफ़ाइनरी पर बीती रात हुए हमले से हफ्तों पहले भी यूक्रेन ने रूसी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया था।

संबंधित प्रतिष्ठान हर वर्ष लगभग 1.77 करोड़ मीट्रिक टन या प्रतिदिन 3, 55, 000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के अनुसार, घटनास्थल पर विस्फोट और आग लगने की सूचना मिली है।

उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें रात के समय आसमान में आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दिखाई देता है। रूसी अधिकारियों ने हमले के परिणामों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक बना हुआ है,

लेकिन मांग में वृद्धि और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण हाल के सप्ताहों में गैसोलीन की कमी हो गई है। देश के कुछ क्षेत्रों में ईंधन स्टेशनों पर ईंधन की कमी हो गई है और वाहन चालकों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है।

इस कमी को कम करने के प्रयास में, रूस ने गैसोलीन के निर्यात पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने 30 सितंबर तक पूर्ण प्रतिबंध और 31 अक्टूबर तक व्यापारियों तथा बिचौलियों को प्रभावित करने वाले आंशिक प्रतिबंध की बुधवार को घोषणा की।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।